आषाढ़ कृष्ण पक्ष- 5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 359 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
04 जुलाई 2026 शनिवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
29.0 अधिकतम
24.2 न्यूनतम

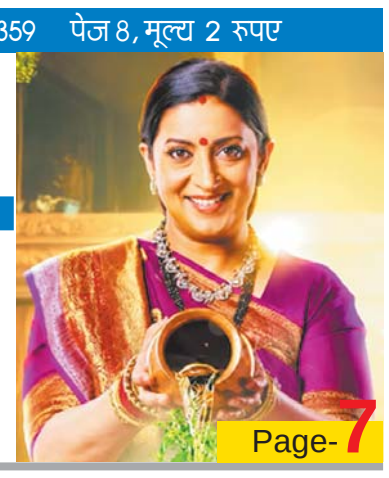

आखिर कब रुकेंगे इंसानियत का कत्ल करते ये युद्ध...

बात चाहे चार साल से भी अधिक समय से जारी रूस और यूक्रेन की जंग की हो या फिर इज़राइल और ईरान के बीच बार-बार भड़कते युद्ध की। सवाल एक ही है। आख़रि ये जंग कब रुकेंगी? कैसे रुकेंगी? और जब रुकेंगी तो दुनिया के हाथ क्या लगेगा? कुछ नए भूगोल। कुछ बदली हुई सरहदें। हथियार बनाने वाली कंपनियों के खातों में कुछ अरब डॉलर और। कुछ नेताओं के सीने पर जीत के तमगे। और दूसरी तरफ़... लाखों उजड़े परिवार, अनाथ बच्चे, विधवा हुई औरतें और मलबे में तब्दील शहर!

इतिहास शायद जीतने और हारने वालों के नाम दर्ज कर लेगा, लेकिन इस मारकाट में हो रहे इंसानियत के क़त्ल की ज़िम्मेदारी किसके नाम लिखी जाएगी? क्या यहूदियों का ख़ात्मा कर देने से इस्लाम के मुकुट में कोई नया मोरपंख लग जाएगा? और क्या अपने वजूद तथा सुरक्षा के नाम पर निर्दोष मुस्लिम बच्चों और औरतों की जान लेकर यहूदी समाज अपने भविष्य को अधिक सुरक्षित बना लेगा?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

अगर जवाब नहीं है, तो फिर यह खून किसलिए बह रहा है? सवाल अमेरिका से भी पूछा जाना चाहिए। दुनिया के लगभग हर बड़े संघर्ष में उसका प्रत्यक्ष या परोक्ष दख़ल आख़रि कितना जायज़ है? क्या अमेरिका सचमुच लोकतंत्र और विश्व शांति का स्वयंभू चौकीदार है या उसके हर हस्तक्षेप के पीछे उसकी अपनी सामरिक और आर्थिक सत्ता का कोई छिपा हुआ गणित काम करता है? क्या पश्चिमी दुनिया इस्लामिक सोच को क्रिश्चियनिटी और अपनी सभ्यता के लिए ख़तरा मानकर चल रही है? अगर ऐसा है तो यह टकराव केवल भूगोल का नहीं, सभ्यताओं के बीच बढ़ती अविश्वास की खाई का संकेत है। यही सवाल विचारधाराओं से भी पूछा जाना चाहिए। दुनिया के वामपंथियों को हिंदुत्व से आखिर कौन-सा ख़तरा दिखाई देता है? और हिंदुत्व की राजनीति में वामपंथ को अपने अस्तित्व का इतना बड़ा दुश्मन क्यों नज़र आता है? क्या दुनिया अब संवाद के बजाय केवल विरोधी विचार को समाप्त कर देने की मानसिकता की तरफ़ बढ़ रही है?

धर्म हो, विचारधारा हो या राष्ट्रवाद... हर कोई अपने प्रभुत्व की लड़ाई लड़ता दिखाई दे रहा है। लेकिन प्रभुत्व कायम करने की यह अंधी कवायद दुनिया को आख़रि किस मुक़ाम तक ले जाएगी? अशांति के इस शोर-शराबे में शांति की आवाज़ लगातार धीमी पड़ती जा रही है। कभी संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं को विश्व शांति की उम्मीद माना गया था। आज हालत यह है कि युद्ध रोकने की अपीलें जारी होती हैं, प्रस्ताव पारित होते हैं, वीटो लगाए जाते हैं और उसी दौरान किसी दूसरे शहर पर मिसाइल गिर जाती है। ऐसे में शांति अब मिशन कम और कूटनीतिक बयान अधिक दिखाई देने लगी है।

एक बड़ा सवाल पूंजीवाद से भी है। अगर इन युद्धों के पीछे हथियारों का बाज़ार, ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण, व्यापारिक रास्तों की सुरक्षा और वैश्विक आर्थिक प्रभुसत्ता की लड़ाई है, तो क्या दुनिया ने इंसानी जान की कीमत को शेयर बाज़ार के सूचकांक से भी नीचे रख दिया है? युद्धों का भी अपना अर्थशास्त्र होता है। कोई देश हथियार बेचता है। कोई तेल के दाम बढ़ने से कमाता है। कोई पुनर्निर्माण के ठेके की प्रतीक्षा करता है। किसी की मुद्रा मजबूत होती है तो किसी की सत्ता।

मरता केवल वही है, जिसका इन बड़े खेलों से कोई लेना-देना नहीं होता। यूक्रेन का वह बच्चा जिसने रूस के खिलाफ कोई रणनीति नहीं बनाई। इज़राइल का वह नागरिक जिसने ईरान पर हमले का आदेश नहीं दिया। गाज़ा का वह मासूम जिसने किसी आतंकवादी संगठन की विचारधारा नहीं पढ़ी। ईरान का वह आम आदमी जिसने किसी मिसाइल का बटन नहीं दबाया। फिर सज़ा इन्हीं के हिस्से क्यों आती है? शायद इसलिए कि युद्ध हमेशा सत्ता तय करती है और उसकी कीमत जनता चुकाती है। दुनिया ने विज्ञान में अद्भुत तरक़्क़ी की है। हम अंतरिक्ष में जीवन खोज रहे हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से इंसानी दिमाग़ को चुनौती दे रहे हैं और मंगल पर बस्तियां बसाने के सपने देख रहे हैं। लेकिन पृथ्वी पर साथ रहने का सलीका आज भी नहीं सीख पाए।

यही हमारी सभ्यता की सबसे बड़ी विडंबना है। आखिर कब रुकेंगी ये जंग?

शायद उस दिन, जब दुनिया यह समझ लेगी कि किसी धर्म की जीत किसी दूसरे धर्म के लोगों की लाशों पर नहीं हो सकती। किसी राष्ट्र की सुरक्षा दूसरे राष्ट्र के बच्चों के खून से स्थायी नहीं बनाई जा सकती। और किसी महाशक्ति का प्रभुत्व पूरी दुनिया को बारूद के ढेर पर बैठाकर हमेशा कायम नहीं रह सकता।

लेकिन सवाल यह है ,,,क्या दुनिया यह बात समझने के लिए तैयार है?

या फिर किसी और बड़ी तबाही का इंतज़ार अभी बाकी है?

प्रदेश में मानसून ने पकड़ी रफ्तार... कई जिलों में अलर्ट पर है प्रशासन

राहत की बारिश, आफत का दौर

भोपाल/इंदौर, एजेंसी

पूरे मध्यप्रदेश में मानसून के रफ़्तार पकड़ने से जहां लोगों ने रहत की सांस ली है, वहीं कई जिलों में पानी आफत बनकर बरस रहा है और हालात बिगड़ गए हैं। नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। कई इलाकों में घरों और खेतों में पानी भर गया है, जबकि कई सड़कों और पुलों पर पानी बहने से यातायात प्रभावित हुआ है। हरदा में तेज बारिश के कारण कई गांवों का संपर्क कट गया है। ग्राम मांदला के पास कालीमाचक नदी का पानी पुल से करीब तीन फीट ऊपर बह रहा है, जिससे नर्मदापुरम-खंडवा स्टेट हाईवे बंद हो गया है।

खंडवा में पिछले कई घंटों से झमाझम बारिश जारी है। रेड अलर्ट के बीच यहां चार इंच तक बारिश होने का अनुमान है। लगातार हो रही तेज बारिश के चलते खंडवा जिले के किल्लौद ब्लॉक के ग्राम गरबड़ी स्थित नाले में बाढ़ आ गई। उफनते नाले के कारण खिरकिया मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि पानी का बहाव कम होने तक नाले को पार करने की कोशिश न करें और सुरक्षित स्थानों पर ही रुकें।

आष्टा ब्लॉक में शुक्रवार रात से लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। पार्वती, पपनास और नेवज नदी का जलस्तर बढ़ गया है। खाचरोद, मेहतवाड़ा, मैना, कोठरी, भंवरा, बागैर, सिंगारचोरी, हराजखेड़ी, ढकनी और मुगली समेत कई गांवों में घरों में पानी घुस गया है। लगातार बारिश से खेत भी तालाब जैसे नजर आने लगे हैं। वहीं, ग्राम पंचायत बड़घाटी-रामापुरा में बाढ़ का पानी खेतों तक पहुंचने से किसानों की सोयाबीन फसल को नुकसान हुआ है। सीहोर के अमलाहा-गोलूखेड़ी मार्ग पर अजनाल नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है और आवागमन प्रभावित है।

नर्मदापुरम-खंडवा स्टेट हाई-वे बंद, हरदा में कई गांवों का संपर्क टूटा, आष्टा में घरों में घुसा पानी

हरदा में कालीमाचक नदी का पानी पुल से 3 फीट ऊपर बह रहा है।

पापनास नदी के पुल के ऊपर पानी

सीहोर जिले के ही ढाकनी-मुगली मार्ग पर पापनास नदी के पुल के ऊपर पानी बह रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर जिला प्रशासन ने पुल के दोनों ओर पुलिस बल और कोटवार तैनात किए हैं, ताकि लोगों को जोखिम भरा रास्ता पार करने से रोका जा सके। इसी तरह सेमनरी रोड-जगन्नाथपुरा पुलिया, कन्नौद-मिर्जी मार्ग और दुपाड़िया मार्ग भी प्रभावित हो गए हैं।

महाराष्ट्र के भिवंडी में पानी भरने से दुकानें बंद, गुजरात में 19 का रेस्क्यू

जयपुर/लखनऊ/पटना। मानसून देश के लगभग सभी राज्यों में पहुंच चुका है। राजस्थान-गुजरात के कुछ हिस्से बाकी हैं। हालांकि उससे पहले गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। गुजरात के मेंडरडा इलाके में समधियाला गांव के पास बाढ़ के पानी में चार गाड़ियां फंस गईं। जिसमें से 19 लोगों का रेस्क्यू किया गया। उधर महाराष्ट्र के भिवंडी में बाजार में करीब 3 फीट तक पानी भर गया। दुकानें बंद हो गईं। लोग कमर तक डूबकर सड़क पार कर रहे हैं। राजस्थान के जयपुर में तेज बारिश के बाद सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के माइनर ओटी में पानी भर गया। यहां से मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया। यूपी के 20 जिलों में बारिश हुई। कानपुर में त्रस्ङ्करूमेडिकल कॉलेज में पानी भर गया। कारें-बाइक आधी डूब गईं। वहीं जम्मू-कश्मीर में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड के चलते रामनगर-उधमपुर रोड बंद कर दी गई।

भिवंडी में सड़कों का हाल।

न्यूज विंडो

काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट पर फायरिंग, तीन घायल

वाराणसी, एजेंसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर-4बी के पास सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ड्यूटी पर तैनात पीएसी के एक जवान की कार्बाइन से कथित तौर पर अचानक गोली चल गई। गोली पत्थर से टकराने के बाद उसके छर्रे और गिट्टियां आसपास मौजूद श्रद्धालुओं और लोगों की ओर उछल गईं, जिससे तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद मंदिर परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल स्थिति को नियंत्रित कर लिया।

एकनाथ शिंदे की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

मुंबई, एजेंसी। अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को इलाज के लिए ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, राहत की बात यह है कि उनकी हालत पूरी तरह से स्थिर है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। उन्हें कमजोरी महसूस हो रही थी। विधानमंडल की कार्यवाही के दौरान ही उन्हें बुखार की शिकायत हुई थी। इसके बावजूद वह कुछ तय कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए ठाणे पहुंचे, लेकिन तबीयत ज्यादा नासाज होने के चलते उन्हें अपने सभी कार्यक्रम रद्द करने पड़े।

आज का कार्टून

जोधपुर में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन

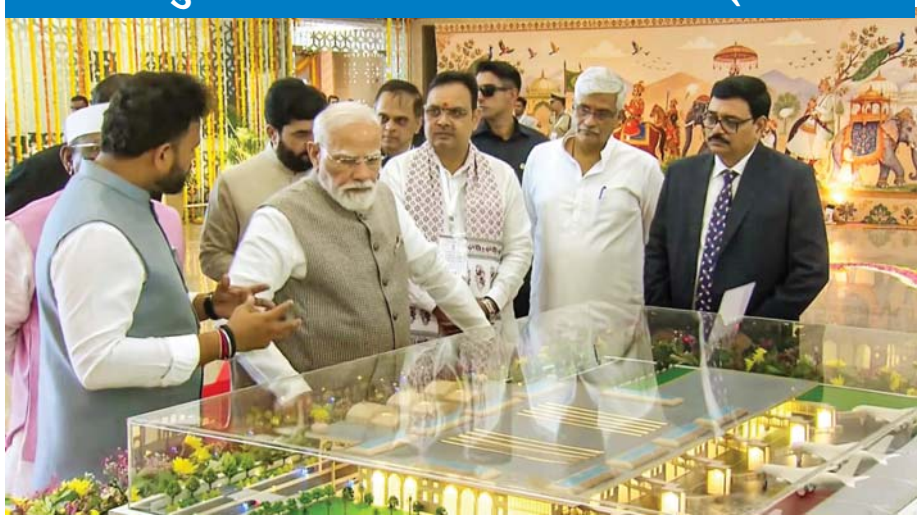

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी आज जोधपुर पहुंचे और एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने उड़ान योजना की भी शुरुआत की। पीएम मोदी को टर्मिनल का प्रजेंटेशन भी दिखाया गया। इस दौरान सीएम भजनलाल शर्मा, गजेंद्र सिंह शेखावत, सिविल एविएशन मंत्री राममोहन नायडू समेत कई अन्य मंत्री और अधिकारी मौजूद रहे।

देश की सबसे आधुनिक रिफाइनरी का मोदी ने किया लोकार्पण

बालोतरा. एजेंसी

देश की सबसे हाईटेक रिफायनरी का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज लोकार्पण किया। इससे पहले सुबह करीब 10:40 बजे जोधपुर में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया । बताया गया है कि इस रिफायनरी से राजस्थान को 9000 करोड़ और देश को 14000 करोड़ रुपए का शुरुआती दौर में राजस्व प्राप्त होगा, जो देश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। पश्चिमी राजस्थान के लिए यह वरदान है। यहां पर तेल के साथ-साथ और भी कई खनिज भंडार मिले हैं। आने वाले समय में यह राजस्थान को ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

जैश, लश्कर और अल-कायदा से जुड़े 23 पाकिस्तानी आतंकवादी घोषित

नईदिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के खिलाफ बड़ा एक्शन लेते हुए गृह मंत्रालय ने वहां मौजूद 23 लोगों को आतंकवादी घोषित किया है। यह कार्रवाई यूएपीए के तहत की गई। सरकार के आदेश के अनुसार, ये लोग जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा और अन्य संगठनों से जुड़े हैं। इन पर जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के लिए लोगों को भर्ती करने, घुसपैठ, ट्रेनिंग, ड्रोन के जरिए हथियार पहुंचाने और हमलों की साजिश रचने में शामिल होने का आरोप है। इन 23 लोगों में से तीन लश्कर के संस्थापक हाफिज सईद के करीबी सहयोगी बताए जाते हैं। तीन लोग कथित तौर पर नगरोटा में सेना के कैंप पर 2016 में हुए आतंकी हमले में शामिल थे और दो लोग कथित तौर पर सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर 2018 में हुए आतंकी हमले में शामिल थे। गृह मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन में सईद के करीबी साथियों के तौर पर अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वलीद और राणा इफ्तिखार की पहचान की है। दस्तावेज में कहा गया है, '54 साल का राणा इफ्तिखार जिहाद-विरोधी संगठनों के बीच तालमेल बिठाता है, युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उकसाता है और हाफिज सईद का करीबी साथी है।

फिदायीन हमले में 30 पाक सैनिकों की मौत

बलूचिस्तान , एजेंसी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के जिवानी (पनवान) इलाके में एक बड़ा हमला हुआ, जब बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी कोस्ट गार्ड के एक प्रमुख कैंप को निशाना बनाकर भीषण अटैक किया। 'द बलूचिस्तान पोस्ट' के अनुसार, इस फिदायीन और जमीनी हमले में कम से कम 30 पाकिस्तानी जवानों के मारे जाने और दर्जनों के घायल होने का दावा किया गया है। यह रणनीतिक ऑपरेशन अलगाववादी गुट की कुख्यात 'मजीद ब्रिगेड' द्वारा अंजाम दिया गया। संगठन ने आत्मघाती हमलावर की पहचान अताउल्लाह बलूच उर्फ अजमल के रूप में की है। उसने विस्फोटकों से भरे एक मज्दा ट्रक को सीधे कोस्ट गार्ड परिसर से टकरा दिया। धमाका इतना जोरदार था कि सैन्य शिविर का एक बड़ा हिस्सा मलबे के ढेर में तब्दील हो गया।

मेट्रो एंकर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हिंदू मैरिज एक्ट के अनुसार तलाक का वैध आधार है बेवफाई

शादी के बाद 'राइट टू प्राइवेसी' की आड़ में नहीं छिप सकेगा अफेयर

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिलने वाला निजता का अधिकार इतना व्यापक नहीं है कि उसका इस्तेमाल पति या पत्नी से अफेयर के सबूत छिपाने के लिए किया जाए। सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट किया कि तलाक के मामलों में यदि व्यभिचार साबित करने के लिए मोबाइल कॉल रिकॉर्ड या होटल में ठहरने का रिकॉर्ड हो, तो सिर्फ निजता का हवाला देकर इन दस्तावेजों को अदालत में पेश होने से नहीं रोका जा सकता है।

जस्टिस मनमोहन और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व में दिए फैसले को सही ठहराया और पति की

अपील को खारिज कर दिया। पति ने तर्क दिया था कि उसके रिकॉर्ड और होटल में ठहरने की जानकारी अदालत में मंगाना उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले पर फैसला सुनाते हुए कहा था कि निजता का अधिकार पूर्ण नहीं है। अदालत ने कहा था सार्वजनिक हित और न्याय सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। हिंदू मैरिज एक्ट में बेवफाई को तलाक का वैध आधार माना गया है। इसलिए, यह बिल्कुल भी जनहित में नहीं होगा कि अदालत निजता के अधिकार के आधार पर ऐसे विवाहित पुरुष की मदद करे, जिस पर शादीशुदा होने के बावजूद शादी के बाहर यौन संबंध बनाने का आरोप हो। हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को सही ठहराते हुए यह बात कही थी। इसमें पति के होटल में ठहरने के रिजर्वेशन की जानकारी और कॉल डिटेल रिकॉर्ड देने का निर्देश दिया गया था। कानूनी जानकारों का मानना है कि यह फैसला तलाक और वैवाहिक विवादों से जुड़े मामलों में अहम मिसाल बनेगा।

महिला के साथ होटल में ठहरा पति

दंपति की शादी 1998 में हुई थी और 2000 में उनकी एक बेटी पैदा हुई। कुछ वर्षों बाद पत्नी को शक हुआ कि उसके पति का किसी दूसरी महिला के साथ विवाहेतर संबंध है। जांच के दौरान उसे जानकारी मिली कि पति जयपुर के एक होटल में उस महिला के साथ ठहरा था। पत्नी ने आरोप लगाया कि उसके पति का दूसरी महिला के साथ शादी के बाद भी संबंध था। इन आरोपों के बाद पत्नी ने तलाक की याचिका दायर करते हुए पति के होटल बुकिंग रिकॉर्ड और मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड अदालत में मंगाने की मांग की। परिवार न्यायालय ने यह मांग स्वीकार कर ली, जिसे बाद में दिल्ली हाई कोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा।

मानसून से पहले की तैयारियों के निगम के सारे दावे बारिश में धुले

संकट की घड़ी में अफसर रहे 'पहुंच' से बाहर जिम्मेदार अफसरों के नंबर हुए 'आउट ऑफ रीच'

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में हुई तेज बारिश ने नगर निगम के दावों की ऐसी पोल खोली है कि शहर पानी-पानी हो गया और जिम्मेदार अफसर हो गये 'आउट ऑफ रीच'। जलभराव और दूसरी समस्याओं से जूझते लोग मदद के लिए निगम अधिकारियों को फोन मिलाते रहे, लेकिन या तो कॉल नहीं लगी या जवाब मिला कि उनका तबादला हो चुका है। बाद में पता चला कि कई अफसर अपने सरकारी मोबाइल और नंबर नए पदस्थ अधिकारियों को सौंपे बिना ही जा चुके हैं।

जानकारी के अनुसार एमपी नगर, पुल बोगदा, प्रभात चौराहा, अयोध्या बायपास, करोंद, कोलार रोड, होशंगाबाद रोड, बैरागढ़, अशोका गार्डन और पिपलानी समेत कई इलाकों से जलभराव की शिकायतें सामने आईं। इस बीच पार्षदों ने आरोप लगाया कि आपात स्थिति के दौरान कई जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क तक नहीं हो सका।इस समस्या के मद्देनजर कांग्रेस पार्षद नाराज

दिखे। इनमें एक गुड्डू चौहान ने आरोप लगाया कि नगर निगम के करीब 60 प्रतिशत अधिकारी अपने सरकारी मोबाइल नंबरों पर कॉल रिसीव नहीं करते। जानकारों का कहना है कि रात के समय अधिकांश कॉल सीधे वॉयस मेल पर चली जाती हैं, जबकि जलभराव और अन्य आपदा संबंधी स्थितियों में यही समय सबसे अधिक संवेदनशील होता है।

वहीं भाजपा पार्षद देवेंद्र भार्गव ने कहा कि नगर निगम की ओर से जनप्रतिनिधियों के साथ आपदा प्रबंधन को लेकर कोई प्रभावी समन्वय व्यवस्था नहीं बनाई गई। उनका कहना है कि जब पार्षद ही अधिकारियों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं तो आम नागरिकों को समय पर राहत मिलना मुश्किल हो जाता है।

पार्षदों का यह भी आरोप है कि कई सरकारी मोबाइल नंबर केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं। विभाग बदलने के बाद भी कुछ अधिकारी पुराने सरकारी नंबर अपने पास रखे हुए हैं, जबकि नए अधिकारी निजी नंबरों से काम कर रहे हैं। कई मामलों में सरकारी नंबरों पर अधिकारी की बजाय उनके परिजन फोन रिसीव करते हैं।

वहीं इस मामले में नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने पार्षदों के आरोपों पर कहा कि जिन पार्षदों को कोई शिकायत है, वे सीधे हमसे संपर्क करें। मानसून की तैयारियों के तहत पंप, डी-सिल्टिंग, लाइफगार्ड और जनरेटर की व्यवस्था की गई है। प्री-मानसून ड्रिल भी कराई गई है और सभी संसाधनों के साथ कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बारिश से सड़कें बनीं तालाब, घरों में घुसा पानी

शनिवार को हुई राजधानी में तेज बारिश ने नगर निगम के साथ बिजली कंपनी के सारे दावों की पोल खोल दी। दूसरी ओर 100 से ज्यादा इलाकों में बिजली गुल रही। उधर, गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के हाल ही में नवीनीकरण किए गए सी-ब्लॉक बॉयज हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर पर पानी भर गया। इसका वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता और ड्रेनेज सिस्टम को लेकर सवाल उठने लगे हैं। शिवाजी गली, मस्जिद वाली गली और आसपास के इलाकों में सड़कें तालाब जैसी नजर आईं। हनुमानगंज थाना पुलिस ने साहस और तत्परता का परिचय देते हुए तेज बहाव वाले नाले में फंसे एक बुजुर्ग की जान बचा ली। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों को पुट्ठा मिल, अग्रवाल तिराहा के पास नाले से मदद की आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुंचने पर करीब 60 वर्षीय अज्ञात बुजुर्ग सिर में चोट लगने के बाद नाले में फंसा मिला। बारिश के कारण नाले का बहाव तेज था और बुजुर्ग दलदल में धंस गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आरक्षक मोहित शिवहरे बिना देर किए नाले में उतर गए और बुजुर्ग को संभाले रखा। इसके बाद आरक्षक राजेंद्र रघुवंशी, उप निरीक्षक रामसजीवन और एफआरवी टीम ने संयुक्त प्रयास से कड़ी मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आरक्षक मोहित शिवहरे ने मौके पर ही सीपीआर देकर उसके मुंह से पानी निकाला और उसकी सांसें सामान्य कीं। इसके बाद पुलिसकर्मी ऑटो से उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। उपचार के बाद डॉक्टरों ने बुजुर्ग की हालत खतरे से बाहर बताई।

भोपाल होकर चलेगी कानपुर-मदुराई विशेष ट्रेन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

यात्रियों की सुविधा के लिए एक जुलाई से रेल प्रशासन कानपुर सेंट्रल से मदुराई के मध्य विशेष रेलगाड़ी चलाई जाएगी, जोकि इटारसी, भोपाल और बीना होकर चलेगी। इस उत्तर भारत के ऐतिहासिक कानपुर तथा दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिर नगरी मदुरै के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। पमरे के नवल अग्रवाल ने बताया कि ट्रेन 01925 प्रत्येक बुधवार को 01 जुलाई से 29 जुलाई तक कुल 05 फेरों के लिए कानपुर सेंट्रल से प्रातः आठ बजकर 10 मिनट पर बजे प्रस्थान करेगी। जोकि बीना 15.40, भोपाल 17.20 बजे एवं इटारसी 19.25 बजे ठहराव लेते हुए अगले दिन मदुरै पहुंचेगी। वही 01926 मदुरै से प्रत्येक शनिवार को चार जुलाई से 01 अगस्त 2026 तक कुल 05 फेरों के लिए मदुरै से प्रस्थान करेगी। वापसी में यह गाड़ी इटारसी 15.05 बजे, भोपाल 17.05 बजे, बीना 20.25 बजे एवं ललितपुर 21.13 बजे ठहराव लेते हुए कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी।

आसमान पर छाए बादल...

भोपाल। शनिवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे पर बरसे नहीं। वहीं तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

मवेशी नहलाए या गाड़ी धोई तो लगेगा जुर्माना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की बर्बादी रोकने के लिए सख्त कदम उठाया है। नए नियमों के तहत अब पीने के पानी का दुरुपयोग करने वालों पर आर्थिक दंड लगाया जाएगा। मवेशियों को नहलाने, वाहन धोने या पंप लगाकर पानी खींचने जैसी गतिविधियों पर जुर्माना लगेगा। नियमों की अनदेखी करने वालों का नल कनेक्शन भी काटा जा सकेगा। सरकार द्वारा अधिसूचित पंचायत ग्रामीण नल-जल योजना संचालन, संधारण एवं प्रबंधन नियम-2026 लागू हो गए हैं। इनके तहत पीने के पानी से गाय-भैंस नहलाने, वाहन धोने, खेतों की सिंचाई करने या नल पर टुल्लू पंप लगाकर पानी खींचने पर 100 से 500 रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

विद्यासागर में 'मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार समारोह'

'परिवार बच्चे का पहला विद्यालय होता है'

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल में 'मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया, जिसमें शैक्षणिक सत्र 2025-26 के उत्कृष्ट और मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत तरीके से शहीद हेमू कालाणी एजुकेशन सोसायटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने दीप प्रज्ज्वलन कर की। प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी कहा कि बच्चों की सफलता में अभिभावकों का सहयोग और विश्वास सराहनीय है। नवनिध की प्राचार्या अमृता मोटवानी ने कहा कि विद्यालय परिवार बच्चों की सुरक्षा, उत्कृष्ट शिक्षण और उन्हें आत्मविश्वासी नागरिक बनाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। मिठी स्कूल के प्राचार्य ए. एन. मनिकंडन ने कहा कि परिवार बच्चे का पहला विद्यालय और माता-पिता पहले शिक्षक होते हैं। दोनों के समन्वित प्रयासों से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। समारोह में प्री-नर्सरी तेजस उतवानी, नर्सरी भव्यांश उतवानी, केजी-1: हिमान्या धनवानी, केजी-2 पार्थ दादलानी एवं लवली शेवारामानी व शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए 12 विद्यार्थियों को और शैक्षणिक दक्षता पुरस्कार के तहत नर्सरी से केजी-2 तक के कुल 170 छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र व पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन रिंकी जनयानी और जीविका मांझानी ने किया।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर डॉक्टरों का सम्मान

चिकित्सक सेवा से समाज को स्वस्थ रखने में भूमिका निभाते हैं

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

नवयुवक सभा द्वारा आनन्दराम टी. शाहनी कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं सिंधु माध्यमिक विद्यालय ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित किया। क्षेत्र के प्रतिष्ठित चिकित्सकों डॉ. दिलीप चोटरानी, डॉ. राजकुमारी चोटरानी, डॉ. भगवानदास, डॉ. खेमचंदानी एवं डॉ. राकेश गुलानी को शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सक अपने ज्ञान, सेवा और समर्पण से समाज को स्वस्थ रखने में अद्वितीय भूमिका निभाते हैं। नवयुवक सभा द्वारा विद्यालय परिसर में समय-समय पर आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविरों और जागरूकता कार्यक्रमों से विद्यार्थियों व क्षेत्रवासियों को बड़ा लाभ मिलता है।

कार्यक्रम में नवयुवक सभा के अध्यक्ष वासदेव वाधवानी, संयुक्त सचिव, दिनेश वाधवानी, कोषाध्यक्ष धर्मप्रकाश मोटवानी, दीपक वाधवानी सहित आनन्दराम टी. शाहनी विद्यालय की प्राचार्या ज्योति चौहान, सिंधु माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्या प्रिया धर्मदासानी तथा के.टी. शाहानी विद्यालय के प्राचार्य हरिओम शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

61 हजार सीटों पर सिर्फ 31 हजार पंजीयन

प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले को लेकर छात्रों में रुचि कम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले को लेकर इस साल भी छात्रों की रुचि कम दिखाई दे रही है। 125 इंजीनियरिंग कॉलेजों की 67,037 सीटों के मुकाबले पहले चरण की काउंसलिंग में अब तक केवल 31,247 छात्रों ने ही पंजीयन कराया है। इनमें से भी 21,777 अभ्यर्थियों ने चॉइस फिलिंग पूरी की है। तकनीकी शिक्षा विभाग के अनुसार पहले चरण का सीट आवंटन 3 जुलाई को किया जाएगा। इंजीनियरिंग में आधी सीटें भी नहीं भर पाईं- पहले चरण में प्रवेश केवल जेईई रैंक के आधार पर दिए जा रहे हैं, जबकि दूसरे चरण में 12वीं के अंकों के आधार पर प्रवेश का विकल्प भी रहेगा। दूसरे चरण के लिए अब तक 7,055 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है, जिससे स्पष्ट है कि कुल सीटों की तुलना में दाखिले की रफ्तार धीमी है।

बीसीए और बीबीए में भी मिला-जुला रुझान

बीसीए की 15,444 सीटों के लिए 5,442 पंजीयन हुए हैं, जबकि 4,238 छात्रों ने चॉइस फिलिंग की है। बीबीए में 31,712 सीटों के मुकाबले 10,428 पंजीयन हुए हैं और 5,860 चॉइस फिलिंग दर्ज हुई है। पहले चरण में बीबीए की 8,557 सीटों का आवंटन किया गया है।

डिप्लोमा में बेहतर, एमटेक में बेहद कम रुझान

डिप्लोमा इंजीनियरिंग में दूसरे चरण की काउंसलिंग जारी है, जिसमें अब तक 24,165 विद्यार्थियों ने पंजीयन किया है और 24,364 चॉइस फिलिंग दर्ज हुई है। पहले चरण में 7,412 छात्रों को प्रवेश मिल चुका है। वहीं एमटेक में स्थिति बेहद कमजोर है, जहां केवल 79 आवेदन आए हैं और 17 छात्रों ने चॉइस फिलिंग की है।

तीन साल की फीस तय, पारदर्शिता पर जोर

प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति ने अगले तीन वर्षों के लिए फीस भी निर्धारित कर दी है। इंजीनियरिंग की वार्षिक फीस 40 हजार, डिप्लोमा 30 हजार, फार्मेसी 62 हजार और एमटेक 60 हजार रुपये तय की गई है। बीएड की फीस फिलहाल 32 हजार रुपये प्रोविजनल रखी गई है, जिसे दस्तावेज सत्यापन के बाद संशोधित किया जा सकता है।

सिंधी सेंट्रल पंचायत ने सौंपा सांसद-विधायक को ज्ञापन

ट्रेनों के स्टॉपेज के लिए सिंधी पंचायत प्रतिनिधि मंडल रेल मंत्री से मिलेगा

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत, संतनगर ने 9 ट्रेनों के स्टापेज की मांग को लेकर सांसद आलोक शर्मा और विधायक रामेश्वर शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा है। सांसद ने आश्वस्त किया है कि वे जल्द ही पंचायत के प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली में रेल मंत्री से मुलाकात करेंगे। पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी, संयोजक कन्हैयालाल इसरानी एवं रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के केन्द्रीय सदस्य नितेश लाल ने बताया कि ये ट्रेनें अक्सर भोपाल मुख्य स्टेशन पर प्लेटफॉर्म खाली न होने के कारण यहाँ अघोषित रूप से रुकती हैं। चूंकि इनका घोषित स्टापेज नहीं है, इसलिए यात्रियों को भोपाल जाने पर मजबूर होना पड़ता है। यहाँ ठहराव मिलने से आम जनता को बड़ी सहूलियत होगी। सांसद शर्मा ने कहा कि संत हिरदाराम नगर से वाया उज्जैन, रतलाम, बड़ोदा व सूरत होते हुए मुंबई के लिए जल्द ही नई ट्रेन की सौगात मिलेगी।

इसलिए खास है संत हिरदाराम नगर स्टेशन: पूर्व में इस ट्रेन को निशातपुरा स्टेशन से चलाने का विचार था, लेकिन निशातपुरा केवल आस-पास के एक-दो किलोमीटर के दायरे के लिए ही सुगम है। इसके विपरीत, संत हिरदाराम नगर स्टेशन भोपाल-इंदौर राजमार्ग से मात्र 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। यह नए-पुराने भोपाल, होशंगाबाद रोड और सीहोर रोड के यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक है। वर्तमान में जबलपुर-बांद्रा को छोड़कर पश्चिम के रास्ते मुंबई के लिए यहाँ से कोई ट्रेन नहीं है। चूंकि इस उपनगर में कपड़ा और बर्तनों का बड़ा थोक बाजार है और अधिकांश कपड़ा मुंबई से आता है, इसलिए इस ट्रेन की मांग लंबे समय से की जा रही थी।

मेट्रो एंकर

'आईसीजेएस क्रियान्वयन व डिजिटल एकीकरण' विषय पर कार्यशाला आयोजित

तकनीक से मजबूत होगी न्याय व्यवस्था : कालगांवकर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आईसीजेएस केवल तकनीकी मंच नहीं, बल्कि न्याय प्रणाली को जोड़ने वाला सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि भविष्य की न्याय व्यवस्था डिजिटल साक्ष्य, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और तकनीक आधारित प्रक्रियाओं पर आधारित होगी। उन्होंने ई-समन, ई-वारंट, डिजिटल आरोप पत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण को महत्वपूर्ण बताया।

यह बात राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार (मिंटो हॉल) में राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो, पुलिस मुख्यालय द्वारा 'आईसीजेएस क्रियान्वयन एवं डिजिटल एकीकरण' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कालगांवकर ने कही। कार्यशाला में आपराधिक न्याय प्रणाली के सभी प्रमुख

स्तंभ–पुलिस, न्यायपालिका, अभियोजन, जेल, फॉरेंसिक एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एक ही मंच पर एकत्रित हुए और डिजिटल समन्वय को मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया। अपर मुख्य सचिव गृह संजय शुक्ला ने कहा कि राज्य में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन विभागों के बीच डिजिटल एकीकरण को और मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी न्याय उपलब्ध कराना है।

तकनीक आधारित पुलिसिंग आवश्यक: पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि साइबर अपराध, संगठित अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के लिए तकनीक आधारित पुलिसिंग आवश्यक है। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस सीसीटीएनएस, ई-साक्ष्य, एनएएफआईएस और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जांच प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक और पारदर्शी बना रही है। कार्यशाला में राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के उप निदेशक प्रसून गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश आईसीजेएस और सीसीटीएनएस क्रियान्वयन में अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने 'एक देश, एक डेटा, एक प्रविष्टि' की अवधारणा पर जोर दिया। मुंबई के विशेषज्ञ डॉ. सैयद शफीक महदी रिजवी ने डिजिटल फॉरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की न्यायिक उपयोगिता पर जानकारी दी। विशेष पुलिस महानिदेशक श्री पंकज श्रीवास्तव ने नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों का सम्मान: सीसीटीएनएस डेटा गुणवत्ता के आधार पर रतलाम जिले को प्रथम, अशोकनगर और गुना को संयुक्त रूप से द्वितीय तथा राजगढ़ जिले को तृतीय स्थान मिला। फिंगरप्रिंट प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य के लिए भोपाल, देवास और इंदौर को सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ समाजसेवी अशोक चौहान का निधन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

फतेहगढ़ निवासी स्वर्गीय बाबूलाल चौहान के सुपुत्र अशोक चौहान (सेवानिवृत्त, एसबीआई) का शुक्रवार को इलाज के दौरान निधन हो गया था। श्री चौहान सविता समाज, सेन समाज और सेन मंदिर के विकास कार्यों में जीवन के अंतिम समय तक तन-मन-धन से सक्रिय रहे।उनके निधन से पूरे समाज में शोक की लहर है। उनकी अंतिम शवयात्रा आज सुबह 11:00 बजे उनके पैतृक निवास, फतेहगढ़ से छोला विश्राम घाट के लिए रवाना हुई, जहां उन्हें अश्रुपूर्ण विदाई दी गई।

कांग्रेस में रहकर पार्टी की मुसीबतें बढ़ाने वालों की होगी पहचान

जिला अध्यक्ष बनाएंगे विवादित नेताओं की लिस्ट, नहीं सुधरे तो बाहर होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कांग्रेस में अक्सर अपने ही नेताओं के कारण पार्टी की मुसीबतें बढ़ती रहती हैं। कई नेता सीधे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से लेकर प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह तक को निशाने पर ले लेते हैं। अब पार्टी लाइन से हटकर अक्सर विवादित बयान देने वाले कांग्रेसियों की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं। एमपी कांग्रेस अब ऐसे विवादित नेताओं की लिस्ट तैयार करने जा रही है जो पार्टी लाइन से हटकर बयान देते हैं।

एमपी कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ संजय कामले का कहना है कि पार्टी फोरम पर सीनियर लीडर्स ने कई बार यह विषय उठाया है कि कई कार्यकर्ता ऐसे हैं जो अक्सर पार्टी लाइन से हटकर बयानबाजी करते हैं। ऐसे नेताओं पर लगाम लगाने के लिए अब पार्टी कड़ा फैसला लेने जा रही है। सोशल मीडिया पर भी पार्टी के खिलाफ लिखने वाले होंगे चिन्हित कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ संजय कामले ने सभी जिला अध्यक्षों को भेजे पत्र में लिखा है कि पार्टी को लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कुछ कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर पार्टी की नीतियों, नेतृत्व और फैसलों के खिलाफ पोस्ट कर रहे हैं। इसे अनुशासनहीनता माना जाएगा।

चिन्हित करें नोटिस दें न मानें तो एक्शन लें पत्र में कहा गया है कि प्रदेश प्रभारी के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने तय किया है कि किसी भी स्तर पर अनुशासनहीनता स्वीकार नहीं की जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजी जाएगी रिपोर्ट

जिला अध्यक्षों से कहा गया है कि ऐसे पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की पहचान कर उन्हें पहले नोटिस जारी करें। यदि इसके बाद भी उनके व्यवहार में सुधार नहीं होता है तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें और इसकी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजें। जिले में कार्रवाई नहीं हो सकती तो सबूतों के साथ प्रदेश को रिपोर्ट भेजें पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिन नेताओं के खिलाफ जिला स्तर पर कार्रवाई संभव नहीं है, उनके मामलों की पूरी जानकारी और साक्ष्यों के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजी जाए, ताकि उनके विरुद्ध भी आवश्यक कार्रवाई की जा सके। संगठन ने जिला इकाइयों से इस काम को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

दिग्विजय करेंगे उज्जैन से अयोध्या तक 1000 किमी पदयात्रा

राम मंदिर चंदे का हिसाब मांगेंगे, कोर्ट में केस करेंगे, सोशल मीडिया नहीं चलाएंगे

भोपाल। यूपी के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे में कथित अनियमितताओं के आरोपों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बड़ा ऐलान किया है। भोपाल में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा- 2 अक्टूबर से उज्जैन के महाकाल मंदिर से अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि तक करीब 1000 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करेंगे।

उन्होंने कहा कि यात्रा पूरी तरह गैर-राजनीतिक होगी। इसमें कांग्रेस का प्रचार नहीं होगा और वे यात्रा के दौरान फेसबुक, एक्स (ट्विटर) समेत किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए 1.11 लाख रुपए का चंदा दिया था। उनके पास आज भी चंदे की रसीद और चेक की प्रति सुरक्षित है।

वकीलों से चर्चा के बाद केस करेंगे दायर

दिग्विजय ने कहा- 5 या 6 जुलाई को वरिष्ठ अधिवक्ताओं से चर्चा के बाद अयोध्या जाकर कोर्ट में मुकदमा दायर करेंगे। राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे का पूरा हिसाब मांगेंगे। अगर जांच में वित्तीय गड़बड़ी सामने आती है तो ट्रस्ट के जिम्मेदार पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

ईओडब्ल्यू तक पहुंची स्लीमनाबाद प्रोजेक्ट की शिकायत

जबलपुर में 800 करोड़ की टनल पर 2000 करोड़ रु. खर्च, कैग को 100 करोड़ की अनियमितता का अनुमान

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के महत्वाकांक्षी बरगी डायवर्जन प्रोजेक्ट की स्लीमनाबाद टनल एक बार फिर विवादों में है। वर्ष 2008 में करीब 800 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से शुरू हुई यह परियोजना करीब 18 साल बाद लगभग 2000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। इस बीच नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने परियोजना में करीब 100 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितताओं की ओर संकेत किया है। कैग ने 31 मार्च 2023 तक के रिकॉर्ड की जांच के बाद अपनी रिपोर्ट में कहा कि अनुबंध की शर्तों से हटकर ठेकेदार को अतिरिक्त भुगतान किया गया।

फोर्स मेज्योर का हवाला देकर डी-वॉटरिंग के नाम पर 39.60 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान किया गया। इसके अलावा सीमेंट कंक्रीट ग्राउट ब्लॉक का काम मूल ठेकेदार की बजाय दूसरी एजेंसी को 13.24 करोड़ रुपए में दिया गया। इन दोनों मामलों में कुल 53.04 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ मिलने की बात ष्टत्र ने कही है। इसी रिपोर्ट के आधार पर 3 जुलाई को जबलपुर के आरटीआई कार्यकर्ता नीरज मिश्रा ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल और लोकायुक्त से शिकायत कर जांच की मांग की है। कैग के अनुसार, अनुबंध में शामिल कुछ कार्यों का खर्च सरकार ने खुद उठाया। सड़क मरम्मत समेत अन्य मदों में भी विभाग ने राशि की वसूली नहीं की।

आरटीआई कार्यकर्ता ने 95 पन्नों की सौंपी रिपोर्ट

रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुबंध के दायरे के कुछ काम दूसरे ठेकेदार को दिए गए और अतिरिक्त भुगतान के लिए विशेष परिस्थितियों का हवाला दिया गया। इन्हीं तथ्यों के आधार पर आरटीआई कार्यकर्ता नीरज मिश्रा ने ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त को 95 पन्नों की शिकायत सौंपी है। इसके साथ 18 दस्तावेज भी साक्ष्य के तौर पर लगाए गए हैं। उनका आरोप है कि विभाग ने ठेकेदार कंपनी को नियमों से अधिक राहत दी। मिश्रा के अनुसार, निर्माण कंपनी ने लंबे समय तक काम बंद रखा, फिर भी उसकी बैंक गारंटी जब्त नहीं की गई। कंपनी ने काम दूसरी कंपनियों से कराया, लेकिन उसके खिलाफ अनुबंध के अनुसार कार्रवाई भी नहीं हुई।

25.98 करोड़ रुपए की अतिरिक्त मंजूरी

शिकायत में 12 अक्टूबर 2023 के एक पत्र का भी उल्लेख है। इसके अनुसार 25.98 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि अनुबंध से अलग मंजूर की गई। दिसंबर 2023 में विद्युत लाइन शिफ्टिंग के लिए 17.33 लाख रुपए और जीएसटी भुगतान की अनुमति भी सरकार ने दी। मिश्रा का आरोप है कि निर्माण के दौरान आने वाले लगभग हर अतिरिक्त खर्च का भुगतान सरकारी खजाने से किया गया। उन्होंने तत्कालीन सचिव सीएस पवार, जीपी सोनकर, तत्कालीन मुख्य अभियंता राममणि शर्मा, वर्तमान मुख्य अभियंता डीएल वर्मा, तत्कालीन कार्यपालन यंत्री सहज श्रीवास्तव और ठेकेदार कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और धोखाधड़ी की धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। साथ ही वर्ष 2021 और 2023 की उच्चस्तरीय बैठकों की फाइलें, तकनीकी मंजूरियां और वित्तीय दस्तावेज जब्त कर फोरेंसिक जांच कराने की मांग भी की है।

पहाड़ काटकर टनल बनाना आसान काम नहीं

दूसरी ओर, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता डीएल वर्मा ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि यह देश की सबसे बड़ी सुरंग परियोजनाओं में से एक है। पहाड़ काटकर 12 किलोमीटर लंबी टनल बनाना सामान्य निर्माण कार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि तकनीकी कारणों से कुछ अतिरिक्त खर्च हुए, इसलिए अलग से मंजूरी लेनी पड़ी। उनका दावा है कि हर अतिरिक्त भुगतान शासन की अनुमति से किया गया। उनके अनुसार कैग ने मौके की वास्तविक परिस्थितियों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया। वर्मा ने कहा कि परियोजना अंतिम चरण में है। इसी वर्ष टनल से पानी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। इससे कटनी, सतना, मैहर, रीवा और पन्ना के लाखों किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा। साथ ही नर्मदा और सोन बेसिन के बीच जल प्रबंधन को भी मजबूती मिलेगी।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने का लक्ष्य

2026-27 के लिए 5 लाख करोड़ से अधिक का क्रेडिट प्लान जारी, सीएस ने दिए सख्त निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय में शवित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी के समन्वयकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उन्होंने जिलों से प्राप्त जिला स्तरीय क्रेडिट प्लान के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया और कहा कि इन योजनाओं को धरातल पर उतारकर ही प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा तैयार वार्षिक साख योजना 2026-27 का विधिवत विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल वित्तीय दस्तावेज नहीं है, बल्कि प्रदेश के आर्थिक विकास की दिशा और गति तय करने वाला एक महत्वपूर्ण रोडमैप है।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, आयुक्त संस्थागत वित्त सुश्री सोनिया मीना, भारतीय रिजर्व बैंक की क्षेत्रीय निदेशक सुश्री सुजाता लाल, नाबार्ड के उपमहाप्रबंधक श्री विजेंद्र सिंह, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के उपमहाप्रबंधक श्री पवन कुमार अग्रवाल, भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक श्री निशंका रॉय सहित कई वरिष्ठ बैंक अधिकारी उपस्थित रहे।

जारी क्रेडिट प्लान के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कुल वार्षिक ऋण योजना का लक्ष्य 5,00,856 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। यह पिछले वर्ष के लक्ष्य 4,19,110 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 119.50 प्रतिशत अधिक है।

कृषि क्षेत्र को मिली सर्वोच्च प्राथमिकता

क्रेडिट प्लान में कृषि क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। फार्म क्रेडिट के लिए 1,28,866 करोड़ रुपये का लक्ष्य तय किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 106.56 प्रतिशत अधिक है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था वाले मध्यप्रदेश में यह लक्ष्य किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे खेती में आधुनिक तकनीक, सिंचाई व्यवस्था, कृषि यंत्रीकरण और फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा। फसल ऋण के लिए 88,638 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले वर्ष के लक्ष्य की तुलना में 101.22 प्रतिशत और उपलब्धि के मुकाबले 122.36 प्रतिशत अधिक है। कुल कृषि क्षेत्र के लिए 1,65,117 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो न केवल कृषि विकास को गति देगा बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगा।

विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद रिक्त

एमपी में मेडिकल कॉलेज बढ़े, डॉक्टर नहीं सरकारी अस्पतालों में 6,310 पद खाली

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार नए मेडिकल कॉलेज खोल रही है, लेकिन सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी दूर नहीं हो पा रही है। प्रदेश के अस्पतालों में मेडिकल ऑफिसर और विशेषज्ञ डॉक्टरों के कुल 6,310 पद खाली हैं। इसका सीधा असर मरीजों के इलाज पर पड़ रहा है। जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं होने से मरीजों को छोटे शहरों से बड़े मेडिकल कॉलेजों का रुख करना पड़ रहा है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में मेडिकल ऑफिसर के 6,513 स्वीकृत पद हैं। इनमें केवल 3,777 डॉक्टर पदस्थ हैं, जबकि 2,736 पद खाली हैं। यानी करीब 42 प्रतिशत पद रिक्त हैं। विशेषज्ञ डॉक्टरों की स्थिति इससे भी अधिक गंभीर है। 5,443 स्वीकृत पदों के मुकाबले सिर्फ 1,869 विशेषज्ञ डॉक्टर कार्यरत हैं, जबकि 3,574 पद खाली हैं। यानी हर तीन में दो विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद रिक्त हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे ज्यादा परेशानी

डॉक्टरों की कमी का सबसे अधिक असर ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में देखने को मिल रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और सिविल अस्पतालों में स्त्री एवं प्रसूति रोग, शिशु रोग, मेडिसिन, सर्जरी और एनेस्थीसिया जैसे विशेषज्ञ नहीं होने से मरीजों को जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज रेफर करना पड़ता है। इससे इलाज में देरी होने के साथ मरीजों का आर्थिक बोझ भी बढ़ता है।

कृषक कल्याण वर्ष में किसानों के लिए सरकार की बड़ी पहल,

सीएम ने मिशन मोड में योजनाओं के क्रियान्वयन के दिए निर्देश, डिजिटल सहकारिता-कृषि महोत्सवों पर रहेगा जोर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाते हुए किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों के हित से जुड़ी सभी योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन मिशन मोड में किया जाए। उन्होंने कहा कि खेती की लागत कम करने, आधुनिक तकनीक अपनाने और आय के नए स्रोत विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के साथ राजधानी से लेकर गांवों तक नियमित संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जिससे योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचे। उन्होंने दुग्ध उत्पादन को किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताते हुए उन्नत नस्ल की गाय उपलब्ध कराने के लिए निजी संस्थाओं का सहयोग लेने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी विकास केंद्रों का विस्तार करने पर भी जोर दिया।

डिजिटल होगी सहकारी समितियों की व्यवस्था

बैठक में मुख्यमंत्री ने सहकारी समितियों की कार्यप्रणाली को पूरी तरह डिजिटल बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को कम पानी वाली और कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों के प्रति जागरूक किया जाए। इसके अलावा प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने, फसल चक्र में बदलाव लाने और खेती से जुड़े स्थानीय त्योहारों व परंपराओं के माध्यम से किसानों तक नई तकनीकों और योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए।

भूमि विकास नियमों में बदलाव की तैयारी

अब छोटे प्लॉट पर बड़े घर बनाने का मिलेगा मौका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार शहरी क्षेत्रों में किफायती आवास को बढ़ावा देने के लिए भूमि विकास नियमों में व्यापक बदलाव की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य कम आय और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए सस्ते मकानों की उपलब्धता बढ़ाना है। इसके तहत छोटे प्लॉट पर अधिक निर्माण की अनुमति देने के साथ आवासीय क्षेत्रों में सीमित व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देने का प्रस्ताव रखा गया है। प्रस्ताव के अनुसार, किफायती आवास (अफोर्डेबल हाउसिंग) की परिभाषा में बदलाव करते हुए मकानों का क्षेत्रफल बढ़ाया जाएगा। इससे पहले की तुलना में अधिक आकार के घर भी किफायती आवास की श्रेणी में आ सकेंगे, जिससे अधिक लोगों को इस योजना का लाभ मिलने की संभावना है। सरकार शहरी क्षेत्रों में फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। यदि प्रस्ताव लागू होता है तो एक ही प्लॉट पर पहले की तुलना में अधिक निर्माण किया जा सकेगा। इससे सीमित जमीन पर ज्यादा आवास तैयार होंगे और शहरों में बढ़ती आवासीय मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। नए मसौदे में आवासीय क्षेत्रों में मिक्स्ड लैंड यूज का दायरा बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। इसके तहत लोग अपने घर से ही छोटे स्तर का व्यवसाय, कार्यालय, दुकान या अन्य सेवा गतिविधियां संचालित कर सकेंगे।

मेट्रो एंकर

प्रदेश में बड़ा फर्जीवाड़ा! मंत्री प्रतिमा बागरी ही नहीं

500 से ज्यादा बड़े अफसर भी जाति प्रमाण पत्र के विवाद में घिरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नगरीय विकास एवं आवास विभाग की राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र का मामला चर्चा में है। छह जुलाई को उन्हें छानबीन समिति के सामने प्रस्तुत होना है, लेकिन, मध्य प्रदेश में यह कोई अकेला मामला नहीं है। वर्तमान में राज्य मंत्री गौतम टेटवाल का मामला भी हाई कोर्ट तक पहुंचा था। वर्ष 2015 में एससी मामलों की राज्य स्तरीय छानबीन समिति ने उनके जाति प्रमाण पत्र को सही बताया था। इसके बाद शिकायतकर्ता ने हाई कोर्ट में याचिका प्रस्तुत की, जिसे कोर्ट ने यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया है छानबीन समिति में पहले ही निर्णय हो चुका है। इस बीच कई वर्ष तक यह मामला चर्चा में बना रहा।

दो कार्यकाल पूरा होने के बाद पता चला कि जाति प्रमाण-पत्र वैध नहीं

अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए सुरक्षित बैतूल विधानसभा सीट से वर्ष 2009 और 2014 में लोकसभा सदस्य रहीं ज्योति धुर्वे का गोंड जाति प्रमाण पत्र अवैध होने का आरोप लगाते हुए उनके विरुद्ध चुनाव लड़ने वाले कांग्रेस उम्मीदवार ओझाराम इवने ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी। हाई कोर्ट के निर्देश पर उच्चस्तरीय छानबीन समिति ने मामले की जांच की थी, जिसमें उनका प्रमाण पत्र अवैध पाया गया था। इसके बाद उन्होंने छानबीन समिति के समक्ष रिव्यू करने की अपील की, पर उसमें भी उन्हें राहत नहीं मिली। इस बीच लोकसभा सदस्य के रूप में उनके दो कार्यकाल पूरे हो गए। उनका जाति प्रमाण पिता की जगह पति की जाति के आधार पर बना था। जजपाल जज्जी ने एससी के लिए सुरक्षित अशोकनगर सीट से वर्ष 2018 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। विधायक बनने पर उनके जाति प्रमाण पत्र पर सवाल उठे। हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने उनके अनुसूचित जाति (नट) होने का प्रमाण पत्र को खारिज कर दिया था। अगस्त 2023 में डबल बेंच से राहत मिली थी।

7000 केस पेंडिंग

टेटवाल के मामले में शिकायत थी कि उनकी जाति जीनगर ओबीसी में आती है, लेकिन अनुसूचित जाति वर्ग के लिए सुरक्षित सारंगपुर सीट से 2008 में चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। राज्य स्तरीय छानबीन समिति के पास 15 वर्षों में लगभग 7,000 केस लंबित हैं, इनमें करीब 500 क्लास एक और दो के हैं। विधानसभा के बजट सत्र में कांग्रेस विधायक हीरालाल अलावा ने भी यह मुद्दा उठाया था। उधर, सुनवाई में देरी को लेकर विभाग के अधिकारी कहते हैं कि अधिकतर मामले एसटी वर्ग के हैं। सप्ताह में सिर्फ एक दिन सुनवाई की जाती है। उसमें भी पांच मामले ही सुने जाते हैं। इसी तरह से एक दिन एससी के लिए रखे गए हैं। नेताओं के जाति प्रमाण पत्र के संदिग्ध होने का मामला उनके चुनाव लड़ने के बाद सामने आया। उसके पहले दबा रहा।

घोटालों की उपलब्धि

लोकतंत्र की सबसे बड़ी त्रासदी तब नहीं होती जब कोई घोटाला सामने आता है; असली त्रासदी तब होती है, जब घोटाला समाज को चौंकाना बंद कर देता है। जब भ्रष्टाचार समाचार नहीं, बल्कि दिनचर्या बन जाए; जब अरबों रुपये की हेराफेरी पर बहस कुछ दिनों में ठंडी पड़ जाए और फिर उसी सहजता से अगला घोटाला सुर्खियां बटोरने लगे, तब समझ लेना चाहिए कि बीमारी व्यवस्था से निकलकर समाज की चेतना तक पहुंच चुकी है। भारतीय जनजीवन में व्यंग्य हमेशा सच बोलने का सबसे सशक्त माध्यम रहा है। यही कारण है कि जब कोई पात्र यह कहता है कि वह बड़ा घोटाला इसलिए नहीं कर पाया क्योंकि उसके विभाग का बजट ही छोटा था, तो पाठक हंसता अवश्य है, लेकिन उस हंसी के पीछे व्यवस्था की भयावह सच्चाई छिपी होती है। यह संवाद केवल एक व्यक्ति की मानसिकता का चित्रण नहीं, बल्कि उस सामाजिक विडंबना का आईना है, जहां ईमानदारी अब उपलब्धि नहीं और भ्रष्टाचार असफलता का कारण नहीं रह गया है। विडंबना देखिए कि आज घोटालों का आकार भी प्रतिष्ठा का पैमाना बनता दिखाई देता है। छोटे घोटाले करने वाला स्वयं को बड़ा खिलाड़ी नहीं मानता, जबकि बड़े आर्थिक अपराधों में नाम आने वाले लोग वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में प्रभाव बनाए रखते हैं। कभी जांच की गति सवालों के घेरे में रहती है, कभी मुकदमे दशकों तक अदालतों में भटकते हैं और कभी राजनीतिक परिस्थितियां पूरे विमर्श की दिशा बदल देती हैं। ऐसे में आम नागरिक के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या भ्रष्टाचार वास्तव में अपराध है या केवल सत्ता और अवसर का दूसरा नाम? सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि भ्रष्टाचार अब केवल आर्थिक अपराध नहीं रहा; यह नैतिक पतन का प्रतीक बन चुका है। जिस धन से विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई बेहतर हो सकती थी, अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाइयां पहुंच सकती थीं, गांवों तक सड़कें और सिंचाई की सुविधाएं विकसित हो सकती थीं, वही धन यदि निजी तिजोरियों और बेनामी संपत्तियों में कैद हो जाए तो उसका नुकसान केवल सरकारी खजाने का नहीं होता। उसकी सबसे बड़ी कीमत वह नागरिक चुकाता है, जो हर बार व्यवस्था पर भरोसा करके कर चुकाता है और बदले में अधूरी सुविधाएं प्राप्त करता है।

गांव में बसती है भारत की आत्मा... क्या कागजों पर सिमट रही हैं ग्राम सभाएं?

ओ.पी. पाल
स्तंभकार

भारतीय लोकतंत्र का जमीनी आधार और भारत की आत्मा गांवों में बसती है, उन गांवों की लोकतांत्रिक आत्मा 'ग्राम सभा' में निहित है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता के विकेंद्रीकरण की जो नींव रखी थी, उसकी सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष इकाई ग्राम सभा ही है। ग्राम सभा केवल स्थानीय शासन की एक संस्था नहीं है बल्कि यह देश के हर ग्रामीण नागरिक को सीधे नीति-निर्माण, बजट निर्धारण और विकास कार्यों की निगरानी का अधिकार देने वाला सशक्त मंच है। परंतु समय के साथ इस बुनियादी लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली में कई विसंगतियां और चुनौतियां सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी और चिंताजनक चुनौती यही है कि आज के इस तकनीकी युग के बावजूद ग्राम सभा की बैठकों में आम नागरिकों की भागीदारी घट रही है। मसलन, केंद्र सरकार और नीति आयोग की जारी ताजा रिपोर्ट ने जमीनी लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने की चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि यह अध्ययन भारत की ग्रामीण विकास नीतियों को 'संख्या-केंद्रित' से 'परिणाम-केंद्रित' बनाने का सटीक मार्गदर्शक दस्तावेज साबित हो सकता है।

दरअसल, देश में जमीनी लोकतंत्र की इसी गंभीर समस्या का बारीकी से अध्ययन करने और इसका समाधान खोजने के लिए केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में व्यापक राष्ट्रीय अध्ययन कराया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा तैयार की गई यह द्वि-खंडीय रिपोर्ट देश में नागरिक-केंद्रित शासन को सुदृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक और साक्ष्य आधारित दस्तावेज़ है। खास बात है कि इस अध्ययन का दायरा और सांख्यिकी के हिसाब से भारत के ग्रामीण नीति-निर्माण के इतिहास में सबसे व्यापक और विशाल क्षेत्र आधारित आकलनों में से एक है। देश की ग्राम सभाओं को लेकर यह राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट भारत के ग्रामीण स्वशासन के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ है। जैसा कि रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि नागरिक-केंद्रित शासन देने के लिए जीवंत ग्राम सभाएँ अनिवार्य हैं। जब तक देश के गांवों का अंतिम व्यक्ति ग्राम सभा की बैठक में शामिल होकर अपने गांव के भविष्य का फैसला करने में सक्षम और उत्सुक नहीं होगा, तब तक लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सपना अधूरा रहेगा। पंचायती राज मंत्रालय और नीति आयोग का यह संयुक्त प्रयास साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से देश की जमीनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को एक नई ऊर्जा, समावेशन और शक्ति प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करता है। इस दिशा में मोदी सरकार देश के हर नागरिक को सशक्त बनाने और नीतियों के केंद्र में 'नागरिक' को रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्राम सभा को जमीनी लोकतंत्र की सबसे सच्ची अभिव्यक्ति करार देकर ग्रामीण ढांचागत और संस्थागत व्यवस्था की नींव को मजबूती देने की पहल की है।

देश का सबसे बड़ा सर्वे: इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता और इसकी साक्ष्य आधारित प्रकृति को समझने के लिए इसके सांख्यिकीय दायरे को समझना आवश्यक है। इस रिपोर्ट में संस्थान के सह-अध्यापक डॉ. अंजन कुमार भांजा द्वारा प्रस्तुत किए गए निष्कर्षों पर गौर किया जाए तो यह देश के सबसे बड़े क्षेत्र-आधारित अध्ययनों में से एक है। इस शोध के दायरे में देश के 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 213 जिलों को शामिल किया गया। टीम ने लगभग 400 ग्राम पंचायतों (जिनमें पेसा 'क्षक्षत्र' क्षेत्र और महिला-हितैषी पंचायतें भी शामिल हैं) का दौरा कर 7,800 उत्तरदाताओं से सीधा संवाद किया, जिसके बाद यह साक्ष्य आधारित द्वि-खंडीय रिपोर्ट तैयार की गई। इसमें 10 राज्यों की उन 'बेस्ट प्रैक्टिसेज' (सर्वोत्तम प्रयोगों) को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने अपने यहाँ भागीदारी बढ़ाने में सफलता पाई है। है। इस अध्ययन रिपोर्ट को 30 जून 2026 को नई दिल्ली में नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम और पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज द्वारा जारी किया, जिसमें जमीनी लोकतंत्र की कमजोर होती नींव और उसकी चुनौतियों को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

आंकड़ों की नजर में अध्ययन रिपोर्ट: अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार भागीदारी में सबसे बड़ी बाधाएं ग्राम सभाओं में लोगों का न आना केवल उदासीनता नहीं बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक-आर्थिक और व्यावहारिक कारण हैं। इसमें आजीविका और समय के संकट के कारण 55.5 प्रतिशत भागीदारी न होने का सबसे बड़ा कारण है, इसमें ग्रामीण आबादी का बड़ा हिस्सा दैनिक मजदूरी या कृषि पर निर्भर है। जबकि व्यस्त कार्य दिनचर्या (41.74 प्रतिशत) और कृषि कार्यों की व्यस्तता (30.26 प्रतिशत) के कारण लोग अपनी दिहाड़ी छोड़कर बैठकों में नहीं आ पाते।

विशेष और विषय-आधारित ग्राम सभाएं: अध्ययन में सुझाव दिए गये हैं कि महिलाओं के मुद्दों के लिए 'महिला ग्राम सभा' और बच्चों व युवाओं के लिए 'बाल सभा' जैसे मंचों का नियमित आयोजन होना चाहिए, जिनकी सिफारिशों को मुख्य ग्राम सभा के एजेंडे में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। ग्राम सभा को विकास कार्यों के सोशल ऑडिट का वास्तविक अधिकार मिलना चाहिए। जब लोगों को दिखेगा कि उनके द्वारा किए गए ऑडिट से भ्रष्टाचार पर रोक लग रही है और काम की गुणवत्ता सुधर रही है तो उनकी भागीदारी स्वतः बढ़ेगी। पंचायत प्रतिनिधियों (विशेषकर महिला सरपंचों और वार्ड सदस्यों) के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि वे ग्राम सभा की प्रक्रियाओं को बेहतर समझ सकें।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

वर्दी को केवल सलाम नहीं, संवेदनशील व्यवस्था और मानवीय सम्मान भी मिले

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

किसी भी देश की कानून-व्यवस्था का सबसे दृश्यमान चेहरा पुलिस होती है। जब कोई अपराध होता है, दुर्घटना घटती है, दंगा भड़कता है, प्राकृतिक आपदा आती है या किसी नागरिक को तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है तो सबसे पहले पुलिस ही सामने दिखाई देती है। समाज उससे हर समय तत्पर, अनुशासित, निष्पक्ष और संवेदनशील रहने की अपेक्षा करता है। विडंबना यह है कि जो व्यवस्था पूरे समाज को सुरक्षा का भरोसा देती है, उसी व्यवस्था के भीतर काम करने वाले पुलिसकर्मियों की मानसिक सुरक्षा और भावनात्मक आवश्यकताओं पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। बाहर से रोबदार दिखने वाली वर्दी के भीतर भी एक संवेदनशील मन धड़कता है, जो लगातार बढ़ते तनाव, कार्यभार, पारिवारिक दूरियों और संस्थागत दबावों के बीच धीरे-धीरे टूटता चला जाता है। हाल ही में पुलिस इंस्पेक्टर श्रवण कुमार बिश्नोई की आत्महत्या की खबर ने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया। किसी भी आत्महत्या के पीछे के कारणों का अंतिम निर्धारण केवल आधिकारिक जांच से ही संभव है इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुँचना उचित नहीं होगा। फिर भी यह दुखद घटना पुलिस बल में मानसिक तनाव, कार्य संस्कृति और मनोवैज्ञानिक सहयोग की आवश्यकता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं बल्कि उस व्यवस्था का आईना भी है, जहाँ कर्तव्य निभाते-निभाते कई बार इंसान स्वयं अपने भीतर हारने लगता है।

हमारे समाज में पुलिस की छवि अक्सर अधिकार, शक्ति और कठोरता से जुड़ी रही है। आम नागरिक मान लेते हैं कि पुलिसकर्मी भावनाओं से परे होते हैं, उन्हें दर्द नहीं होता, वे कभी नहीं टूटते। यही सबसे बड़ी भूल है। पुलिसकर्मी भी उसी समाज के सदस्य हैं। वे भी किसी के बेटे-बेटी, पति-पत्नी, माता-पिता और मित्र होते हैं। उन्हें भी अपनों की चिंता होती है, आर्थिक जिम्मेदारियाँ होती हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ होती हैं और भावनात्मक सहारे की आवश्यकता होती है। अंतर केवल इतना है कि वे अपने दुख को अक्सर वर्दी के भीतर छिपाकर रखना सीख जाते हैं।

पुलिस सेवा का वास्तविक स्वरूप फिल्मों और धारावाहिकों से बिल्कुल अलग है। अधिकांश पुलिसकर्मियों का दिन कब शुरू होता है और कब समाप्त, इसका निश्चित समय नहीं होता। आठ घंटे की ड्यूटी का सिद्धांत व्यवहार में शायद ही कहीं पूरी तरह लागू दिखाई देता है। त्योहार हो, चुनाव हो, वीआईपी दौरे हों, धरना-प्रदर्शन हो, प्राकृतिक आपदाएँ हों या अपराध की गंभीर घटनाएँ- हर स्थिति में सबसे पहले पुलिस को तैनात किया जाता है। कई बार लगातार चौबीस-चौबीस घंटे तक ड्यूटी करनी पड़ती है। पर्याप्त नींद, नियमित भोजन और पारिवारिक समय उनके जीवन में विलासिता बन जाते हैं।

विश्व भर के मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि लगातार नींद की कमी, अत्यधिक कार्यभार और भावनात्मक तनाव किसी भी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। पुलिसकर्मी प्रतिदिन हत्या, आत्महत्या, सड़क दुर्घटना, घरेलू हिंसा, यौन अपराध और अन्य दर्दनाक घटनाओं का सामना करते हैं। सामान्य नागरिक जिन दृश्यों को केवल समाचारों में देखते हैं, पुलिस उन्हें प्रत्यक्ष रूप से झेलती है। ऐसे अनुभव धीरे-धीरे मन पर गहरे घाव छोड़ते हैं। यदि समय पर भावनात्मक सहयोग न मिले तो यही दबाव अवसाद, चिंता, चिड़चिड़ेपन और कई बार आत्मघाती विचारों तक पहुँच सकता है।

पुलिस व्यवस्था की आंतरिक संरचना भी कई बार तनाव को बढ़ा देती है। वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव, समयबद्ध परिणाम देने की अपेक्षा, राजनीतिक हस्तक्षेप, संसाधनों की कमी और निरंतर जवाबदेही अधीनस्थ कर्मचारियों के मानसिक बोझ को कई गुना बढ़ा देती है। अनुशासन किसी भी सुरक्षा बल की आवश्यकता है लेकिन अनुशासन और मानवीय संवेदनशीलता का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। यदि अधीनस्थ कर्मचारी अपनी समस्याएँ खुलकर साझा करने से डरने लगें तो तनाव भीतर ही भीतर विस्फोटक रूप ले सकता है।

पारिवारिक जीवन भी पुलिस सेवा की सबसे बड़ी कीमत चुकाता है। पुलिसकर्मी अपने बच्चों के साथ समय नहीं बिता पाते, माता-पिता की बीमारी में उपस्थित नहीं हो पाते और कई बार पारिवारिक समारोहों तक में शामिल नहीं हो पाते। लगातार अनुपस्थिति से परिवारों में भावनात्मक दूरी बढ़ने लगती है। कई पुलिसकर्मी अपने व्यक्तिगत तनाव को परिवार से छिपाते हैं ताकि घर वाले चिंतित न हों, जबकि परिवार अपनी समस्याएँ उनसे इसलिए नहीं कह पाता कि वे पहले ही बहुत तनाव में हैं। यह मौन धीरे-धीरे मानसिक अकेलेपन में बदल जाता है।

वर्दी सम्मान का प्रतीक है लेकिन वह इंसान को मशीन नहीं बना देती। पुलिसकर्मी भी थकते हैं, निराश होते हैं, भावनात्मक सहारे की तलाश करते हैं और कभी-कभी भीतर से बिखर भी जाते हैं। इसलिए उन्हें केवल आदेश, अपेक्षाएँ और आलोचना ही नहीं बल्कि विश्वास, सम्मान, विश्राम और संवेदना भी मिलनी चाहिए।

किसी भी सभ्य समाज की असली पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपने नागरिकों की कितनी सुरक्षा करता है बल्कि इससे भी होती है कि वह अपने रक्षकों का कितना ध्यान रखता है। यदि हम चाहते हैं कि पुलिस हर संकट में हमारे साथ मजबूती से खड़ी रहे तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी अपनी मानसिक दुनिया सुरक्षित, संतुलित और समर्थ बनी रहे। क्योंकि अंततः वर्दी के भीतर धड़कता हुआ दिल भी उसी इंसान का होता है, जो हमारे और हमारे समाज की सुरक्षा के लिए अपने सुख, अपने परिवार और कई बार अपना पूरा जीवन दाँव पर लगा देता है। ऐसी वर्दी को केवल सलाम नहीं बल्कि संवेदनशील व्यवस्था और मानवीय सम्मान भी मिलना चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

AC से बाहर निकलते ही सांस फूलने - धड़कन बढ़ने की शिकायत को इग्नोर ना करें

गर्मियों के मौसम में ज्यादातर लोग घरों और ऑफिस में घंटों तक एसी की ठंडी हवा में ही समय बिताना पसंद करते हैं। लेकिन कई बार कुछ जरूरी काम के चलते लोगों को दिन की तेज धूप में बाहर निकलना पड़ता है। ऐसे में अचानक तापमान में हुए बदलाव की वजह से शरीर को इंटरनल बॉडी का टम्परेचर एडजेस्ट करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस प्रक्रिया में लोगों की हृदय गति बढ़ सकती है, रक्त वाहिकाओं में बदलाव आ सकता है और ब्लड प्रेशर प्रभावित हो सकता है। यह समस्या

ज्यादार बुजुर्गों, हाई बीपी के मरीज, हार्ट रोगियों और डायबिटीज के रोगियों में देखने को मिलती है।

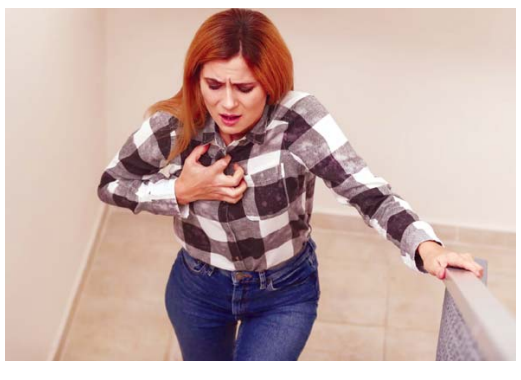

इस दौरान त्वचा की रक्त वाहिकाएं फैलने लगती हैं ताकि शरीर अतिरिक्त गर्मी बाहर निकाल सके। इसके लिए हृदय को अधिक मात्रा में रक्त पंप करना पड़ता है। ऐसे में दिल की धड़कन कुछ समय के लिए तेज हो सकती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, गर्म मौसम में हृदय को शरीर को ठंडा रखने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है।

गर्मी में शरीर पसीने के माध्यम से खुद को ठंडा रखने की कोशिश करता है। इसके लिए त्वचा तक अधिक रक्त पहुंचाया जाता है। जब त्वचा की ओर ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, तो हृदय को प्रति मिनट अधिक रक्त पंप करना पड़ता है। यही कारण है कि गर्म मौसम में हार्ट रेट बढ़ सकता है। स्टडी के अनुसार अत्यधिक गर्मी में हृदय की कार्यक्षमता पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है, खासकर उन लोगों में जिनकी हृदय क्षमता पहले से कमजोर हो।

एनआईएच की स्टडी के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ शरीर की तापमान नियंत्रित करने की क्षमता कम हो जाती है। जिन लोगों को कोरोनरी आर्टरी डिजीज, हार्ट फेलियर, हार्ट अटैक या अन्य हृदय समस्याएं हैं, उनमें तापमान परिवर्तन का प्रभाव अधिक हो सकता है। विशेषज्ञ आमतौर पर:ष्ट का तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने की सलाह देते हैं। धूप में निकलते समय टोपी, छाता और हल्के रंग के कपड़ों का उपयोग करें। यदि गर्मी में बार-बार सीने में दर्द, सांस फूलना या चक्कर आने जैसी समस्या हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

निशाना

राम नाम का चंदा है..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

राम नाम का चंदा है
चोखा गोरखधंधा है
नाटक है अंधेपन का
ये ना समझें अंधा है
बाहर कपड़े पहन रखे
सोच समझ में नंगा है
सत्य उजागर करते जो
उनसे इसका पंगा है
करता बात ग़रीबों की
धन बटोर खुद चंगा है
जिन पे चढ़ मंजिल पायी
वो औरों का कंधा है
सदा दान की बात करे
जो खुद ही भिखमंगा है
शांति दूत बन कर घूमें
जिनकी हसरत दंगा है
पाप धुनें पल में उनके
घर में जिनके गंगा है।

वायरल कंटेंट

1,454 फीट की ऊंचाई पर पर किया प्यार का इजहार, ख़ास रही रोमांटिक सगाई

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक रोमांचक और अनोखा प्रपोजल लोगों का ध्यान खींच रहा है। मशहूर क्लाइंबर और कंटेंट क्रिएटर इवान वान्या बीरकुस ने अपनी साथी एंजेला निकोलाउ को न्यूयॉर्क की एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की ऊंचाई पर प्रपोज किया है। इस खास पल की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कपल नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री Skywalkers A Love Story में भी नजर आ चुका है। दोनों लंबे समय से दुनिया की ऊंची-ऊंची इमारतों पर चढ़ने और अपने रोमांचक कारनामों के लिए जाने जाते हैं। इस बार भी उन्होंने अपने रिश्ते के सबसे खास पल को यादगार बनाने के लिए एक अलग ही तरीका चुना।

बताया जा रहा है कि 1 जुलाई को दोनों न्यूयॉर्क स्थित एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से तक पहुंचे। करीब 1,454 फीट की ऊंचाई पर इवान ने घुटनों के बल बैठकर एंजेला को शादी के लिए प्रपोज किया। एंजेला ने भी मुस्कुराते हुए इस प्रपोजल को स्वीकार कर लिया। इस दौरान दोनों ने इमारत के ऊपरी हिस्से पर एक झंडा भी लहराया, जिस पर प्रेम और शांति का संदेश लिखा हुआ था।

इस रोमांचक घटना की तस्वीरें दोनों ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। पोस्ट सामने आते ही लाखों लोगों ने इसे पसंद किया और कमेंट सेक्शन में दोनों को सगाई की शुभकामनाएं दीं। कई यूजर्स ने इसे दुनिया का सबसे साहसी प्रपोजल बताया, जबकि कुछ लोगों ने इतनी ऊंचाई पर किए गए इस स्टंट को बेहद जोखिम भरा भी माना है।

पुलिस ने लिया हिरासत में: रिपोर्ट्स के अनुसार, इस घटना के बाद दोनों को कुछ समय के लिए न्यूयॉर्क पुलिस की हिरासत में लिया गया। हालांकि, इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली। बाद में अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को शांतिपूर्वक संभाल लिया गया। यह भी स्पष्ट किया गया कि यह स्टंट नेटफ्लिक्स के किसी नए प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं था। डॉक्यूमेंट्री में इस कपल के कई सालों के रोमांचक सफर और दुनिया की ऊंची इमारतों पर चढ़ने की कहानी दिखाई गई है। यही वजह है कि उनके फैंस इस सगाई को भी उनके साहसिक जीवन का एक यादगार अध्याय मान रहे हैं।

फिलहाल यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जहां एक ओर लोग इस अनोखे प्रपोजल की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कई लोग यह भी याद दिला रहे हैं कि ऐसे जोखिम भरे स्टंट की नकल करना खतरनाक हो सकता है। प्रेम का इजहार खास हो सकता है, लेकिन सुरक्षा हमेशा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

यूजर्स गाइड

जरूरतमंद के लिए उपलब्ध है घर बैठे आधार बनवाने की सुविधा, फीस लगेगी ज्यादा

क्या आप जानते हैं कि आधार बनवाने या उसमें बदलाव करवाने का काम घर पर भी करवाया जा सकता है? दरअसल UIDAI इसके लिए खास सर्विस देती है, जिसके तहत नया आधार बनवाने से लेकर आधार में किसी भी तरह के बदलाव के लिए घर पर ऑपरेटर को भेजा जाता है। हालांकि, यह सर्विस सभी के लिए नहीं है और UIDAI बुजुर्ग या उन नागरिकों के लिए चलाता है, जो कहीं आ या जा नहीं सकते। इस सर्विस के लिए जाने वाला चार्ज ज्यादा है। अगर आप किसी जरूरतमंद के लिए ऑपरेटर को घर बुलाकर आधार कार्ड बनवाना चाहते हैं, तो आप 1947 पर सर्विस के लिए अनुरोध बुक कर सकते हैं।

UIDAI की होम एनरोलमेंट सर्विस जरूरतमंद लोगों के लिए शुरू की गई खास सर्विस है। इसके तहत शर्तें पूरी करने वाले नागरिक घर बैठे ही अपना आधार बनवा सकते हैं या फिर उसमें किसी भी तरह के बदलाव करवा सकते हैं। इस सर्विस में लोग चाहें तो घर बैठे ही बायोमेट्रिक डेटा भी अपडेट करवा सकते हैं। इस सर्विस को सिर्फ उन लोगों के लिए शुरू किया गया है, जो आधार केंद्र तक जाने में असमर्थ है। इस सर्विस को वही लोग एक्सेस कर सकते हैं, जो कि वरिष्ठ नागरिक हैं।? बिस्तर से उठ ना सकने वाले मरीज और बेहद कमजोर लोग, जो आधार केंद्र तक नहीं जा सकते। इसके अलावा वे दिव्यांग भी इस सर्विस का फायदा ले सकते हैं, जो आधार केंद्र नहीं जा सकते।

यह सर्विस जरूरतमंद लोगों के लिए शुरू की गई है लेकिन इसकी फीस अलग है। अगर एक पते पर एक ही निवासी के लिए सर्विस बुक की जाए, तो सर्विस चार्ज 700 रुपये निर्धारित है।अगर उस पते पर मुख्य निवासी के साथ-साथ कोई और सदस्य भी इस सर्विस का फायदा लेना चाहता है, तो हर सदस्य के लिए अलग से 350 रुपये देने होंगे। गौर करने वाली बात है कि यह चार्ज सामान्य सरकारी अपडेट फीस जो कि 50 या 100 रुपये तक होती है, के अलावा लिया जाएगा।

कैसे बुक करें सर्विस?: इस सर्विस को बुक करने के लिए आप 1947 नंबर पर कॉल कर सकते हैं या फिर आप IDAI के रीजनल ऑफिस में ईमेल के जरिए जरूरी दस्तावेजों के साथ अनुरोध भेज सकते हैं। क्षेत्रीय कार्यालय से मंजूरी मिलने के बाद संबंधित रजिस्ट्रार या आधार केंद्र को काम सौंप दिया जाता है, जो 7 से 15 दिनों में आपके घर पर ऑपरेटर भेजकर बायोमेट्रिक और अन्य प्रक्रिया पूरी करते हैं।

न्यूज विंडो

जबलपुर में सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

जबलपुर। जबलपुर के शीतला माई वार्ड में सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी है। कर्मचारी अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर संत रविदास भवन के सामने धरने पर बैठे हैं। उनका आरोप है कि शासन द्वारा निर्धारित मानदेय के बजाय उन्हें मात्र 5 से 6 हजार रुपए का मासिक वेतन दिया जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

बालाघाट जिले में बाढ़ में फंसे किसान, चलाया बचाओ अभियान

बालाघाट। जिले में बीते 24 घंटे में 2.83 इंच बारिश दर्ज की गई। इससे नदी-नाले उफान पर आ गए। इस बीच, किरनापुर थाना क्षेत्र के भानपुर में धान रोपाई के लिए देव नदी पार कर पहुंचे 16 किसान और मजदूर अचानक बढ़े जलस्तर के कारण दूसरी ओर फंस गए। ग्रामीणों के फंसने की सूचना मिलते ही कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर किरनापुर व हट्टा पुलिस, एसडीआरएफ तथा हॉक फोर्स ने संयुक्त रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

डिंडोरी में लगातार बारिश से बढ़ा जलस्तर, तेज बहाव में फंसी कार

डिंडोरी। डिंडोरी में लगातार बारिश के कारण बड़ा हादसा टल गया। शहपुरा थाना क्षेत्र के बस्तरा गांव के पास कसी नदी की पुलिया पार करते समय एक कार अचानक बढ़े जलस्तर और तेज बहाव में फंस गई। कार में सवार एसएफ जवान और चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तैरकर अपनी जान बचाई। घटना जबलपुर बटालियन में पदस्थ एसएफ जवान पदमजीत गौरा के साथ हुई। वे छुट्टी पर अपने गृह ग्राम आए थे। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

मकान मालिक को चप्पलों से पीटा महिलाओं के विवाद का वीडियो वायरल

नरसिंहपुर। जिले के गाडरवारा स्थित शक्ति चौक पर मकान खाली कराने की बात को लेकर जमकर हंगामा हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि दो महिलाओं ने बीच सड़क पर ही मकान मालिक की चप्पलों और थप्पड़ों से पिटाई कर दी। इस घटना को देखने के लिए मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है।

रिलायंस गैस परियोजना से घट रहा भूजल स्तर, जल संरक्षण कार्यों के बीच उठे सवाल

शहडोल। जिले में एक ओर शासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण, भूजल संवर्धन और जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन पर बड़े पैमाने पर धनराशि खर्च की जा रही है, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र में संचालित गैस परियोजनाओं के कारण भूजल स्तर गिरने के आरोप सामने आ रहे हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि यदि भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, तो जल संरक्षण पर किए जा रहे भारी खर्च का वास्तविक लाभ कितना मिल पा रहा है।जानकारी के अनुसार, शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लगभग 163 करोड़ 11 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। इस अभियान का उद्देश्य जल स्त्रोतों का संरक्षण, वर्षा जल का संचयन और भूजल स्तर में सुधार करना है। सरकार भी इस अभियान को भूजल पुनर्भरण का महत्वपूर्ण माध्यम बता रही है। रिलायंस की गैस परियोजना के संचालन के कारण आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर प्रभावित हो रहा है। यदि इन आरोपों में तथ्य हैं, तो यह आवश्यक हो जाता है कि शासन एवं जिला प्रशासन वैज्ञानिक अध्ययन कराकर यह स्पष्ट करें कि गैस परियोजना का भूजल पर क्या प्रभाव पड़ रहा है।

सिवनी के केवलारी में यात्री बस बेकाबू होकर पेड़ से टकराई, 9 घायल

सिवनी। जिले के केवलारी में देर शाम सरगम ट्रेवल्स की यात्री बस बेकाबू होकर पेड़ से जा टकराई। करीब 6 बजे मंडला की ओर जाते समय सड़क पर अचानक आए एक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक को बचाने के प्रयास में हादसा हुआ। इस दुर्घटना के वक्त बस में करीब 25 यात्री सवार थे, जिनमें से 9 लोग घायल हो गए। यह हादसा नगर के वार्ड क्रमांक-4 बोथिया क्षेत्र में हुआ।

लग्जरी कार, प्रेस कार्ड और महिला का सहारा लेकर पुलिस को चकमा देने की थी कोशिश

नीमच जिले का युवक पत्रकार बन कर रहा था अफीम की तस्करी, हरियाणा में धराया

तस्कर के साथ एक महिला भी थी मौजूद, 13 किलो 60 ग्राम अफीम जब्त

नीमच। दोपहर मेट्रो

प्रेस की आड़ में मादक पदार्थ अफीम की तस्करी करते नीमच जिले की रामपुरा तहसील के ग्राम बरलाई निवासी एक युवक को हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्कर के साथ नीमच जिले की एक महिला भी पकड़ी गई है। लग्जरी कार से अफीम की तस्करी की जा रही थी।

हरियाणा पुलिस ने एक खुफिया सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में अफीम बरामद की है। जब्त अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में फातेहाबाद हरियाणा की एएसपी दिव्यांशी सिंगला ने बताया कि अफीम तस्करी में गिरफ्तार दोनों तस्करों ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए पूरे हथकंडे अपनाए थे। उन्होंने तस्करी के लिए एक दिल्ली नंबर की लग्जरी कार का इस्तेमाल किया, ताकि किसी को शक न हो। इसके साथ ही, पुलिस चेकिंग से बचने के लिए मुख्य आरोपी ने अपने साथ एक महिला को भी गाड़ी में बिठा रखा था। महिला की कार में मौजूदगी से ऐसा प्रतीत हो कि कोई परिवार सफर कर रहा है। हालांकि, अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जांच में दोनों के बीच ऐसा कोई पारिवारिक संबंध सामने नहीं आया है। महिला केवल तस्करी के इस खेल में पुलिस को गुमराह करने के लिए सह-यात्री बनी हुई थी।

सिंगला ने बताया कि पुलिस को इस तस्करी के संबंध में पहले ही एक बेहद विश्वसनीय और पुख्ता जानकारी (मुखबिर से) मिल चुकी थी। इसी सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए इलाके में प्रभावी नाकाबंदी की। जैसे ही संदिग्ध कार वहां पहुंची उसे रोककर सघन तलाशी ली गई। इसमें भारी मात्रा में अफीम बरामद हुई। पकड़े गए दोनों आरोपी मध्य प्रदेश के नीमच जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने तस्करी के आरोप में ईश्वर लाल पिता मांगीलाल पाटीदार निवासी बरलाई रामपुरा जिला नीमच और सोना पति सुनील प्रजापति निवासी राजसेन मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया है।

प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि आरोपी इस खेप को आगे सिरसा और फतेहाबाद के अलग-अलग ग्रामीण व शहरी इलाकों में सप्लाई करने जा रहे थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों को रिमांड पर लेकर आगे की पूछताछ की जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस नेटवर्क के तार और कहां-कहां जुड़े हैं और वे यह माल कहां से लेकर आए थे। पुलिस अधिकारी ने सख्त लहजे में कहा कि अपराधी चाहे कितने भी नए हथकंडे या तरीके अपना लें वे पुलिस की मुस्तैदी और सख्त कार्रवाई से नहीं बच सकते। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

लोकायुक्त की कार्रवाई

मेडिकल ऑफिसर पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले में लोकायुक्त पुलिस रीवा की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उफरी में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर डॉ. महेश चंद्र शर्मा को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई जयसिंहनगर बस स्टैंड पर की गई। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। लोकायुक्त पुलिस के अनुसार उमरिया जिले के पटनार खुर्द निवासी वीरेंद्र सिंह ने 18 मई 2026 को रीवा लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उनकी पत्नी के सलग्नीकरण आदेश को निरस्त कराने और रवानगी नहीं देने के एवज में मेडिकल ऑफिसर ने 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त ने आरोपों का सत्यापन कराया। जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपी पहले 5 हजार रुपये ले चुका था और शेष 5 हजार रुपये की मांग कर रहा था। सत्यापन के आधार पर लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक योगेश्वर शर्मा के निर्देशन में ट्रैप टीम का गठन किया गया। शिकायतकर्ता के माध्यम से आरोपी को तय स्थान पर बुलाया गया। जैसे ही उसने 5 हजार रुपये की रिश्वत ली, लोकायुक्त टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई निरीक्षक संदीप सिंह भदौरिया और निरीक्षक एस. राम मरावी के नेतृत्व में की गई। लोकायुक्त ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

मैहर में कुएं में गिरे बैल को बचाने उतरे चार ग्रामीण डूबे, 3 की मौत एक गंभीर

सतना। दोपहर मेट्रो

जिले से अलग हुए मैहर जिले के अमरपाटन इलाके के अंतर्गत आने वाले खरमसेड़ा गांव में शुक्रवार रात एक दर्दनाक हादसे में कुएं में गिरे बैल को बचाने उतरे 4 ग्रामीणों में से तीन की मौत हो गई है, जबकि एक युवक गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती है। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि, कुएं में जहरीली गैस बनने से ग्रामीण बेहोश हो गए और इसके बाद पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई।

ग्रामीणों के अनुसार, गांव में रहने वाले रामनिवास कुशवाहा के कुएं में एक बैल गिर गया था। उसे बाहर निकालने के लिए अहिरान टोला निवासी कृष्ण कुमार यादव (28), वीरेंद्र यादव (47) और राहुल यादव (34) कुएं में उतरे। कुएं में पानी अधिक भरा हुआ था। कुछ देर बाद तीनों की चीख-पुकार सुनाई दी, लेकिन देखते ही देखते उनकी आवाज बंद हो गई। इसी दौरान उन्हें देखने और बचाने के लिए रामचंद्र यादव भी कुएं में उतरा, लेकिन वह भी अचेत होकर गिर पड़ा। यह देखकर बाहर मौजूद ग्रामीणों में हाहाकार मच गया।

ग्रामीणों ने तत्काल कांटा डालकर चारों को कुएं के किनारे लाने का प्रयास किया और उन्हें बाहर निकाला। तब तक कृष्ण कुमार, वीरेंद्र और राहुल की सांसें थम चुकी थीं, जबकि रामचंद्र यादव जिंदा था। चारों को तत्काल सिविल अस्पताल मैहर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत में रामचंद्र यादव को जिला अस्पताल सतना रेफर किया गया है।

अनूपपुर सीमा पर डेरा डाले तीन जंगली हाथी, शहडोल के गांवों में अलर्ट जारी

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले के केशवाही वन परिक्षेत्र से लगी अनूपपुर जिले की सीमा पर तीन जंगली हाथियों की मौजूदगी से सीमावर्ती गांवों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। हाथी फिलहाल अनूपपुर क्षेत्र में विचरण कर रहे हैं, लेकिन शहडोल की सीमा से उनकी दूरी करीब दो किलोमीटर होने के कारण वन विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए ग्रामीणों को पहले से ही सावधान रहने की सलाह दी गई है।

केशवाही वन परिक्षेत्र अधिकारी (रेंजर) अंकुर तिवारी ने बताया कि हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। केशवाही वन परिक्षेत्र के बीट रामपुर अंतर्गत ग्राम बैरियाह, रामपुर, पड़रिया सहित अन्य सीमावर्ती गांवों में वन विभाग की टीम ने मुनादी कर ग्रामीणों को सतर्क किया है। लोगों से अपील की गई है कि वे रात के समय जंगल या खेतों की ओर अकेले न जाएं और हाथियों की सूचना मिलते ही तत्काल वन विभाग को अवगत कराएं। वन विभाग ने ग्रामीणों के मोबाइल फोन में गज रक्षक ऐप भी डाउनलोड कराया है, ताकि हाथियों की लोकेशन और अलर्ट संबंधी जानकारी समय पर मिल सके। इसके अलावा वन अमले की गश्त बढ़ा दी गई है और हाथियों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल हाथियों ने शहडोल जिले की सीमा में प्रवेश नहीं किया है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। रेंजर अंकुर तिवारी ने बताया कि जंगली हाथियों से बचाव के लिए क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान भी चलाया गया है। ग्रामीणों को हाथियों के व्यवहार, उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखने और किसी भी स्थिति में उन्हें उकसाने या उनके करीब न जाने की समझाइश दी गई है।

अघोषित वाहन स्टैंड बना सिरदर्द

उमरिया। दोपहर मेट्रो

शहर के वार्ड 15 स्थित एक्सीलेंस स्कूल के सामने, जहां प्रतिवर्ष मुरादगाह का आयोजन होता है, वहां इन दिनों चारपहिया एवं दोपहिया वाहनों का अघोषित स्टैंड बन गया है। वाहन चालक घंटों तक अपने वाहन बेतरतीब तरीके से खड़े कर देते हैं, जिससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह मार्ग कैम्प मोहल्ला जाने का मुख्य रास्ता है। बड़ी संख्या में खड़े वाहनों के कारण सड़क संकरी हो जाती है और कई बार दोपहिया वाहनों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। इससे रोजाना आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि यदि किसी आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस या फायर ब्रिगेड को क्षेत्र में पहुंचना पड़े, तो सड़क पर खड़े वाहनों के कारण उन्हें भी काफी देर तक इंतजार करना पड़ सकता है, जिससे गंभीर स्थिति उत्पन्न होने की आशंका बनी रहती है। वाहन चालकों की मनमानी से क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है। कैम्प मोहल्ले के निवासियों ने जिला प्रशासन, और यातायात विभाग से मांग की है कि उक्त स्थान पर अघोषित वाहन स्टैंड पर तत्काल रोक लगाई जाए।

बालागंज में 38 पेटी अवैध शराब जब्त, दो महिलाओं पर केस दर्ज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने शुक्रवार को शहर के बालागंज क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए 38 पेटी देशी और विदेशी शराब जब्त की। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत करीब 3.65 लाख रुपये बताई गई है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण थोटा के मार्गदर्शन में नवागत जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के निर्देशन में आबकारी टीम ने आकस्मिक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान संगीता पत्नी महेंद्र मेषकर के कब्जे से 33 पेटी देशी एवं विदेशी शराब बरामद कर मामला दर्ज किया गया। वहीं एक अन्य कार्रवाई में गुड्डी बाई पत्नी ब्रह्मा मेषकर के पास से 5 पेटी देशी शराब जब्त की गई। उनके विरुद्ध धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण कायम किया गया। यह कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी एवं वृत्त प्रभारी रमेश अहिरवार के नेतृत्व में की गई। अभियान में सहायक जिला आबकारी अधिकारी राहुल कुमार ढोके, आबकारी उपनिरीक्षक अशोक माहोरे, अभिलाष पाठक और के.के. पड़रिया सहित आबकारी एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन और विक्रय के विरुद्ध सघन अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

मेट्रो एंकर कलेक्टर की पहल: दामिनी ऐप से 30-40 मिनट पहले मिलेगी वज्रपात की चेतावनी

प्रदेश में पहली बार नर्मदापुरम से शुरू हुआ प्रोजेक्ट दामिनी, लोगों को आकाशीय बिजली से बचाने के लिए चलेगा जनजागरूकता अभियान

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मानसून के दौरान आकाशीय बिजली से होने वाली जन एवं पशुहानि को रोकने के उद्देश्य से नर्मदापुरम जिला प्रशासन ने प्रदेश में पहली बार प्रोजेक्ट दामिनी की शुरुआत की है। गत दिवस को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कलेक्ट्रेट के रेवा सभा कक्ष से अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के तहत जिले के गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचकर लोगों को वज्रपात से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि नर्मदापुरम कृषि प्रधान जिला है, जहां मानसून के दौरान बड़ी संख्या में किसान खेतों में कार्य करते हैं। ऐसे में आकाशीय बिजली से बचाव के लिए समय रहते चेतावनी और जनजागरूकता बेहद आवश्यक है। अभियान के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और स्कूली विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित कर आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र भी विकसित किया जाएगा। कार्यक्रम में अभियान के मैस्कॉट इलेक्ट्रा का भी शुभारंभ किया गया। अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विकसित दामिनी ऐप उपयोगकर्ता के स्थान से लगभग 20 किलोमीटर के दायरे में आकाशीय बिजली गिरने की संभावना की 30 से 40 मिनट पहले चेतावनी देता है। नागरिकों से मोबाइल में ऐप डाउनलोड कर जीपीएस और नोटिफिकेशन अलर्ट चालू रखने की अपील की गई। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने लोगों को गरज-चमक के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े न होने, खुले मैदान, जल स्त्रोतों और धातु की वस्तुओं से दूरी बनाए रखने तथा सुरक्षित पक्के भवन में शरण लेने की सलाह दी। साथ ही वज्रपात से जुड़ी भ्रांतियों का वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर निराकरण भी किया गया। मध्यप्रदेश यूनिसेफ के प्रमुख विलियम एनलैंड ने प्रोजेक्ट दामिनी को जनहित में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि प्रदेश में इस तरह का पहला व्यापक अभियान नर्मदापुरम से शुरू होना अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणादायक है। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक साइ कृष्ण एस. थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर अनिल जैन, डिप्टी कलेक्टर डॉ. बबीता राठौर, यूनिसेफ एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञ, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, स्कूली विद्यार्थी, अधिकारी एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

आखिर कब जागेगी पुलिस... धार शहर में लगातार बढ़ रही चोरियों की वारदातें, बदमाश दिन-रात सूने मकानों पर बोल रहे धावा

40 दिनों में 8 बड़ी चोरियां, सुराग एक का भी नहीं

धार। दोपहर मेट्रो

शहर और आसपास के इलाकों में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सुस्त नजर आ रहा है। पिछले 40 दिनों के भीतर शहर के दो थाना क्षेत्रों में चोरी की 8 बड़ी वारदातें हो चुकी हैं, लेकिन रिकॉर्ड के अनुसार आज तक एक भी चोरी ट्रेस नहीं हो पाई है। पुलिस की इसी नाकामी के चलते बदमाश अब रात के अंधेरे के साथ-साथ दिनदहाड़े भी सूने मकानों को निशाना बना रहे हैं।

शुक्ला कॉलोनी में बुजुर्ग दंपत्ति को बंधक बनाकर चोरी

ताजा सनसनीखेज मामला नौगांव थाना अंतर्गत शुक्ला कॉलोनी से सामने आया है। यहां बीती दरमियानी रात बदमाशों ने घर में बुजुर्ग दंपत्ति की मौजूदगी में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश घर के पीछे बने शौचालय के पास की करीब एक फुट चौड़ी खिड़की के सरिए काटकर अंदर घुसे थे। बुजुर्ग महिला शारदा शर्मा ने बताया कि जब वे रात में बाथरूम जाने के लिए उठीं, तो सामने एक नकाबपोश चोर हथियार लिए खड़ा था। हथियार देखकर वह डर गईं और शोर नहीं मचा सकीं। उस समय उनके पति ओमप्रकाश शर्मा सो रहे थे। बदमाश अलमारी में रखे 70 से 80 हजार रुपये नकद, एक पुराना नाक का कांटा और सोने का मंगलसूत्र लेकर फरार हो गए। पीड़ित ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि यह नकदी गुरु पूर्णिमा पर निकलने वाली पालकी की तैयारियों के लिए जमा की गई थी। वारदात के बाद बदमाश बाहर से दरवाजा बंद कर गए, जिसके कारण पीड़ित परिवार अंदर ही फंसा रहा। बाद में पड़ोसियों ने आकर दरवाजा खोला। सूचना मिलने पर नौगांव पुलिस ने रात में ही मौका मुआयना कर मामला दर्ज किया है।

पिछले दिनों हुईं चोरी की प्रमुख वारदातें

22 जून (विनायक कुंज, मांडू रोड): मुकेश कुमार के घर में दिनदहाड़े चोरी हुई। उनकी पत्नी शिक्षिका हैं जो स्कूल गई थीं और मुकेश काम पर थे। बदमाश हजारों के आभूषण, नकदी और दीवार पर टंगी एलईडी टीवी तक उखाड़ ले गए।

16 जून (त्रिमूर्ति नगर): तरुण खत्री के घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर तिजोरी से सोने का मंगलसूत्र, कान की बाली और नकदी सहित डेढ़ लाख रुपये की चोरी की गई।

15 जून (भोज नगर): सुनीता पति प्रवीण राण के सूने मकान का ताला चटकाकर अलमारी से एक जोड़ी चांदी की पायजेब और सोने के टॉप्स चोरी हुए, जिनकी कीमत 60 हजार रुपये से अधिक थी।

13 जून (ग्राम हिम्मतगढ़): शहर के समीप मानसिंह के घर के बाहर से अज्ञात बदमाश 6 बड़ी भैंस और 4 पाड़े हांक ले गए, जिनकी कुल कीमत करीब 5 लाख रुपये आंकी गई थी।

6-7 जून की रात (आदर्श रोड, त्रिमूर्ति नगर): अयान मोहम्मद की दुकान का नकुचा तोड़कर बदमाश लाइट स्विच, पिनियन ड्राई, आर्मीचर, रूटर, स्टार्टर मोटर और भंगार सामान चुरा ले गए।

2-3 जून (तुलसी नगर): कपिल यादव के मुख्य दरवाजे और छत की टावर का दरवाजा उचकाकर अलमारी से पायजेब और 25 हजार रुपये नगद पार कर दिए गए।

न्यूज विंडो

सामुदायिक सहभागिता से दिया वन संरक्षण का संदेश

तेंदूखेड़ा। ग्रामीण विकास समिति द्वारा वर्षा ऋतु में वनों के संरक्षण एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से सीड बॉल अभियान की शुरुआत विकासखंड तेंदूखेड़ा के ग्राम इमलीडोल बीट के जंगल से की गई। अभियान के प्रथम चरण में वन समिति एवं ग्राम समुदाय के लोगों ने जंगल की खाली पड़ी वन भूमि में सीड बॉल डाले। अभियान का उद्देश्य जंगलों का घनत्व बढ़ाना, प्राकृतिक रूप से नए पौधों का विकास करना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा ग्रामीणों में वन बचाओ, पर्यावरण बचाओ का संदेश पहुंचाना है। साथ ही लोगों में प्रकृति एवं वनों के संरक्षण के प्रति स्थायी आदत विकसित करना भी अभियान का प्रमुख लक्ष्य है। उल्लेखनीय है कि इस अभियान के लिए मई एवं जून माह में ग्रामीण विकास समिति द्वारा समुदाय एवं वन समिति के सदस्यों के सहयोग से विभिन्न देशी हर्र, बहेड़ा, खैर, कचनार, महुआ आदि स्थानीय प्रजातियों के सीड बॉल तैयार कराए गए थे, जिन्हें अब वर्षा ऋतु के दौरान चरणबद्ध तरीके से जंगलों की खाली पड़ी भूमि में डाला जा रहा है। ग्रामीण विकास समिति ने बताया कि आने वाले दिनों में विकासखंड के अन्य वन क्षेत्रों में भी यह अभियान चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक बीज अंकुरित होकर जंगलों का प्राकृतिक विस्तार हो सके। समिति ने सभी नागरिकों से वन संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के इस जनअभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। जंगल रहेंगे तो जल रहेगा, जल रहेगा तो कल रहेगा।

19 जून से लापता सांगा के बुजुर्ग का कंकाल जंगल में मिला

तेंदूखेड़ा। थाना निवासी ग्राम सांगा के अट्ठी गौड़ का कंकाल तेजगढ़ थाना अंतर्गत सिमरिया कंसा के जंगल में मिला हैं 19 जून शाम 7 बजे सांगा निवासी अट्ठी पिता भगुन्ता गौड़ 66 शाम 7 बजे बिना बताएं घर से चला गया। परिजनों ने आसपास एवं रिश्तेदारों के यहां तलाश किया लेकिन कोई खबर नहीं मिलने पर 23 जून को तेंदूखेड़ा पुलिस थाना में गुमशुदी दर्ज कराएं। इसके बाद परिजन एवं पुलिस लगातार अट्ठी को ढूढ़ने का प्रयास करती रहे लेकिन कोई सुराग नहीं लगा शुक्रवार को अट्ठी के लडके धुरा एवं बडे पिताजी के लडके रामसींग, रामधार को अट्ठी का कंकाल सिमरिया कंसा के जंगल में मिला जिसकी सूचना तेजगढ़ पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम कर पंचनामा कार्यवाही कर कंकाल को डीएनए जांच के लिए मेडीकल कॉलेज सागर भेजा जाएगा। अट्ठी के लडके एवं परिजनों ने बताया कि मेरे पिताजी का दिमागी स्वास्थ्य ठीक नहीं था पहले भी वह कई बार घर छोडकर चले जाते थे और दिनभर में या फिर चार पांच दिन में वापिस आ जाते थे लेकिन इस बार चार दिनों तक नहीं आने पर पुलिस में शिकायत दर्ज की एवं पिताजी को ढूढ़ने का प्रयास करते रहे लेकिन कहीं भी कोई पता नहीं चल सका था। प्रधान आरक्षक महेश, संदीप महोविया ने बताया कि जंगल में शव क्षत विक्षित हालत में था सिर्फ कंकाल बचा हैं डीएनए जांच के बाद ही परिजनों के सुपुर्द किया जाएंगा। इस संबंध में तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह ठाकुर ने बताया कि सांगा के जंगल में एक कंकाल मिलने की सूचना मिली थी जो सांगा निवासी का है मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की गई एवं शव को डीएनए जांच के लिए सागर भेजा गया है मौत के कारणों का स्पष्ट हो सकें।

एसडीओपी अर्चना अहीर के नेतृत्व में एमपीआरडीसी एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण

तेंदूखेड़ा में सड़क हादसों पर लगेगा अंकुश, सात ब्लैक स्पॉट किए चिह्नित

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इसी क्रम में एसडीओपी अर्चना अहीर के नेतृत्व में मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमपीआरडीसी) के महाप्रबंधक नितिन, दमोह यातायात प्रभारी दलबीर सिंह मार्को तथा थाना प्रभारी टीआई सरोज ठाकुर ने संयुक्त रूप से दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) का विस्तृत निरीक्षण किया।

संयुक्त टीम ने सागर रोड स्थित नाग बाबा से लेकर जबलपुर रोड स्थित पंडा बाबा तक के पूरे मार्ग का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क की स्थिति, तीव्र मोड़, दृश्यता, यातायात का दबाव तथा पूर्व में हुई सड़क दुर्घटनाओं का तकनीकी विश्लेषण किया गया। निरीक्षण के उपरांत अधिकारियों ने इस पूरे मार्ग पर कुल 7 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए, जहां सड़क दुर्घटनाओं की संभावना सर्वाधिक पाई गई। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि तेंदूखेड़ा-जबलपुर मार्ग का लगभग 15 किलोमीटर का हिस्सा अत्यधिक दुर्घटना संभावित है। इसके अतिरिक्त झलौन मार्ग, तेजगढ़ मार्ग तथा तारादेही मार्ग पर भी कई ऐसे स्थान चिन्हित किए गए, जहां समय-समय पर सड़क दुर्घटनाएं होती रही हैं। इन सभी स्थानों पर सुरक्षा संबंधी आवश्यक सुधार कार्य प्राथमिकता

के आधार पर प्रारंभ किए जाएंगे। दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से अधिकारियों ने चिन्हित ब्लैक स्पॉटों पर सूचकांक बोर्ड, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, स्पीड लिमिट बोर्ड तथा आवश्यकता अनुसार स्पीड ब्रेकर निर्माण के लिए उपयुक्त स्थान निर्धारित किए। इन सुरक्षा उपायों के लागू होने से वाहन चालकों को दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पूर्व जानकारी मिल सकेगी, जिससे वे अपनी गति नियंत्रित कर सुरक्षित रूप से यात्रा कर सकेंगे और सड़क हादसों में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी अर्चना अहीर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिह्नित स्थानों पर सभी सुरक्षा कार्य शीघ्र प्रारंभ कर समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए विभागीय समन्वय के साथ-साथ आम नागरिकों की सहभागिता भी आवश्यक है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने और सभी यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि तेज गति अथवा शराब के नशे में वाहन चलाते पाए जाने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त चालानी कार्रवाई की जाएगी।

निगरानी बढ़ाई जाएगी

दमोह यातायात प्रभारी दलबीर सिंह मार्को एवं थाना प्रभारी टीआई सरोज ठाकुर ने बताया कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में नियमित निगरानी बढ़ाई जाएगी। साथ ही आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष जनजागरूकता अभियान भी संचालित किए जाएंगे, ताकि दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके। एमपीआरडीसी के महाप्रबंधक नितिन सर ने बताया कि चिन्हित सभी ब्लैक स्पॉटों का तकनीकी परीक्षण कर आवश्यक निर्माण एवं सुधार कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे। विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित करते हुए आवश्यक अधोसंरचनात्मक सुधार किए जाएंगे, जिससे मार्ग और अधिक सुरक्षित एवं सुगम बन सके। प्रशासन की इस संयुक्त पहल से तेंदूखेड़ा क्षेत्र में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि समयबद्ध सुरक्षा उपायों, प्रभावी निगरानी, विभागीय समन्वय तथा जनसहभागिता के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाकर आम नागरिकों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। एसडीओपी अर्चना अहीर ने बताया कि एमपी आरडीसी ,यातायात प्रभारी दमोह ,नगर निरीक्षक के साथ क्षेत्र में हो रही दुर्घटनाओं के ब्लैक स्पॉटों को देखा गया है।

लोहे की छड़ से भरा तेज रफ्तार ट्रैक्टर पलटा, हादसे में चार घायल

तेंदूखेड़ा । दोपहर मेट्रो

रिमझिम बारिश के बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलटने का घटनाक्रम सामने आया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार तेजगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत इमलिया चौकी के समीप सतधरू घाटी पर गत दिवस शाम को लोहे की छड़ से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गया हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार चालक सहित चार लोग बुरी तरह घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए तत्काल 108 एंबुलेंस के माध्यम की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया जहां ड्यूटीरत डॉक्टर ने चारों का प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर होने पर जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार घायलों में सुरेंद्र लोधी 38 वर्ष, आकाश लोधी 21 वर्ष निवासी हाथी घाट, हरिद्वार शामिल हैं। मौके पर 108 पायलट मनोज, ईएमटी संदीप और एक अन्य 108 पायलट व ईएमटी ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया बताया जाता है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पर अत्यधिक मात्रा में लोहे की छड़ लदी हुई थी। रिवर्स करते समय ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। स्थानीय लोग इसे लापरवाही बता रहे हैं हादसे की सूचना मिलते ही इमलिया चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कुक्षी पुलिस और साइबर सेल धार की संयुक्त कार्रवाई

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

पुलिस चौकी निसरपुर की टीम ने तकनी नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल भी आरोपी के कब्जे से जब्त की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 19 जून को ग्राम देशवालिया निवासी फरियादी ने निसरपुर चौकी पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी 18 जून को बिना बताए कहीं चली गई है। कोई अज्ञात बदमाश उसे बहला-फुसलाकर ले गया है। फरियादी की शिकायत पर थाना कुक्षी में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। नाबालिग से जुड़े मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर एवं अनुविभागीय अधिकारी कुक्षी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कुक्षी राजेश यादव के नेतृत्व में एक विशेष

टीम का गठन किया गया। इस टीम में निसरपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रवि वास्के और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। सर्चिंग के दौरान निसरपुर पुलिस को साइबर सेल धार की मदद से तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि आरोपी धुलसर क्षेत्र में मोटरसाइकिल से घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम धुलसर बस स्टैंड पहुंची। वहां पीली शर्ट और नीली पैंट पहने एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। मुस्तैद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे धर दबोचा। पूछताछ में उसने अपना नाम श्याम पिता मुन्ना जमरानिवासी ग्राम ननोदाकुक्षी बताया। पुलिस अभिरक्षा में कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जिसके बाद पुलिस ने गिरफ्तारी पंचनामा तैयार कर उसे विशेष न्यायालय धार के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है, प्रकरण में आरोपी के खिलाफ पाक्सों सहित अन्य धाराएं भी बढ़ाई गई है। आरोपी की गिरफ्तारी में कुक्षी थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव, निसरपुर चौकी प्रभारी उनि रवि वास्के, साइबर प्रभारी धार उनि प्रशांत गुंजाल, सउनि भुवान चौहान, आरक्षक सुभाष, रवींद्र, गौरव, थानसिंह, किशन तथा साइबर सेल के आरक्षक प्रशांतसिंह और शुभम का विशेष योगदान रहा।

मेट्रो एंकर जांच के दौरान एक वाहन का परमिट वैध नहीं होने पर 5000 रुपए का जुर्माना वसूला

रतलाम में स्कूल बसों का परमिट-पीयूसी नहीं मिला वैध

रतलाम। दोपहर मेट्रो

स्कूल बसों की फिटनेस सुरक्षा जांच करते हुए, नियम उल्लंघन करने वाले बस संचालकों पर जुर्माना कर वसूली जिला परिवहन अधिकारी द्वारा की गई। जांच के दौरान एक वाहन का परमिट वैध नहीं होने पर 5000 रुपए का जुर्माना वसूला गया। तीन अन्य वाहनों के पीयूसी वैध नहीं पाए जाने पर 15000 रुपए का जुर्माना किया गया। इस प्रकार कुल चार वाहनों से 20000 रुपए का समझौता शुल्क वसूला गया।

कलेक्टर मिशा सिंह के निर्देशों पर जिला परिवहन अधिकारी जगदीश बिल्लोरे ने स्कूलों में संचालित होने वाली बसों की सुरक्षा और फिटनेस जांची। आरटीओ की ओर से की गई जांच में बसों के परमिट, फिटनेस, बीमा, पीयूसी, आपातकालीन खिडक़ी व दरवाजे, वीएलटीडी, प्राथमिक उपचार पेटी, अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म सिस्टम और पैनिक बटन की जांच की गई। स्पीड गवर्नर भी चालू हालत में पाए गए। चालकों और अटेंडरों को अग्निशमन यंत्रों का उपयोग भी समझाया गया। जांच के दौरान एक वाहन का परमिट वैध नहीं होने पर 5000 रुपए का जुर्माना वसूला गया। तीन अन्य वाहनों के पीयूसी वैध नहीं पाए जाने पर 15000 रुपए का जुर्माना किया गया। इस प्रकार कुल चार वाहनों से 20000 रुपए का समझौता शुल्क वसूला गया। एक स्कूल वाहन का फर्श व छत खराब होने, केबिन नियमानुसार नहीं होने तथा आपातकालीन खिडक़ी व दरवाजा नियमानुसार नहीं होने पर स्कूल संचालक को वाहन दुरुस्त कराकर निरीक्षण के लिए पेश करने के निर्देश दिए गए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मंडीदीप जिला रायसेन

दूरभाष एवं फैक्स नम्बर 07480- 407022 Email-cmomandideep@mpurban.gov.in

क्र./2111/न.पा.प./2026 मंडीदीप, दिनांक 03.07.2026

//ई-निविदा सूचना//

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाईड https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निवदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_518928_1	वाहन शाखा अर्न्तगत टेंकर, ट्रेक्टर-ट्राली एवं मैजिक ऑटो क्रमांक MP-38-L-0617 में संलग्न प्राक्कलन अनुसार मरम्मत / फेब्रीकेशन / संधारण कार्य।	4,20,000/-	4,200/-	2,000/-	17-Jul-2026 05:30 PM
02	2026_UAD_519266_1	वार्ड क्रमांक 10 स्थित अस्थाई ट्रेचिंग ग्राउन्ड पर प्रतिदिन निकलने वाले कचरे को डम्पर में लोड किये जाने व निकाय के अन्य कार्यों हेतु 01 नग जे.सी.व्ही. मशीन 04 माह हेतु डीजल, ड्राईवर एवं सहायक कर्मचारी सहित किराये से लिया जाना।	7,79,000/-	7,790/-	2,000/-	20-Jul-2026 05:30 PM

1. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में नहीं किया जावेगा।

प्रियंका राजेन्द्र अग्रवाल, अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद मंडीदीप | पुष्पा प्रेमशंकर साहू, उपाध्यक्ष, नगरपालिका परिषद मंडीदीप | सुधीर उपाध्याय, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगरपालिका परिषद मंडीदीप

फीफा विश्व कप 2026: पेनल्टी शूटआउट में किया कमाल

ऑस्ट्रेलिया को हराकर राउंड ऑफ-16 में पहुंचा मिस्र

डलास , एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए।

पहले हाफ में इमाम अशूर ने दिलाई बढ़त

मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा।

आत्मघाती गोल से ऑस्ट्रेलिया की वापसी

दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओनील की फ्री-किक पर मिस्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया। अतिरिक्त समय में मिस्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया। इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। मिस्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली।

क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना या केप वर्डे से होगा सामना

इस जीत के साथ मिस्र ने पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में जीत हासिल करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब 7 जुलाई को अटलांटा में उसका सामना अर्जेंटीना और केप वर्डे के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। विश्व कप इतिहास में ऑस्ट्रेलिया ने अब तक तीन नॉकआउट मुकाबले खेले हैं और तीनों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले वह 2006 में इटली और 2022 में अर्जेंटीना से हारकर बाहर हुआ था, जबकि अब 2026 में मिस्र ने उसकी चुनौती समाप्त कर दी।

भारत-इंग्लैंड दूसरे टी-20 में भी बारिश के आसार

15 साल के वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू पर टिकीं सबकी नजरें, आर्चर की वापसी

मैनचेस्टर, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला आज शाम 7 बजे मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले मैच की तरह इस मुकाबले में भी बारिश खेल बिगाड़ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 55त्न तक बारिश की संभावना है। सीरीज का पहला मुकाबला भी बारिश के कारण बेनतीजा रहा था।

इस मुकाबले में एक बार फिर 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू पर सबकी नजर रहेगी। हालांकि, भारत के गेंदबाजी कोच मॉर्ने मॉर्कल ने संकेत दिए हैं कि युवा बल्लेबाज को अभी कुछ और इंतजार करना पड़ सकता है। मॉर्कल ने कहा- दूसरे मुकाबले से टीम ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहती। अभिषेक शर्मा टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज हैं। संजू सैमसन टी-20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। कोचिंग स्टाफ के तौर पर खिलाड़ियों पर भरोसा दिखाना जरूरी है। भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक 31 टी-20 इंटरनेशनल खेले गए हैं। इनमें भारत ने 18 और इंग्लैंड ने 12 मुकाबले जीते हैं, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा। इंग्लैंड में दोनों टीमों के बीच 10 मुकाबले हुए हैं। यहां इंग्लैंड ने 5, भारत ने 4 मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ा। दोनों देशों के बीच अब तक 9 टी-20 सीरीज खेली गई हैं। इनमें भारत ने 5, इंग्लैंड ने 3 सीरीज जीती हैं, जबकि एक सीरीज ड्रॉ रही। भारत ने पिछली लगातार पांच टी-20 सीरीज में इंग्लैंड को हराया है।

पहले मैच में अभिषेक-श्रेयस ने संभाली थी पारी

चेस्टर-ली-स्ट्रीट में खेले गए पहले टी-20 में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने सिर्फ 6 रन पर 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद अभिषेक शर्मा (59 रन, 24 गेंद) और कप्तान श्रेयस अय्यर (68 रन, 47 गेंद) ने तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर भारत को 189/7 तक पहुंचाया। हालांकि बारिश के कारण इंग्लैंड की पारी शुरू ही नहीं हो सकी। अभिषेक ने इंग्लैंड के खिलाफ 7 टी-20 पारियों में 347 रन 219.62 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं।

ईशान और अर्शदीप भारत के टॉप परफॉर्मर- भारत के लिए इस साल ईशान किशन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 16 टी-20 मैचों में 545 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 199.63 रहा है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने 15 मैचों में 21 विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज का स्थान हासिल किया है।

बेथेल ने इस साल 305 रन बनाए

इंग्लैंड के लिए जैकब बेथेल ने 2026 में 12 टी-20 मैचों में 305 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 143.19 का है और वह एक शतक भी लगा चुके हैं। गेंदबाजी में आदिल रशीद ने सबसे ज्यादा 18 विकेट लिए हैं। वह इस मुकाबले में 2 विकेट लेते ही टी-20 इंटरनेशनल में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच तेज और स्पिन दोनों गेंदबाजों की मददगार मानी जाती है। हालांकि, बल्लेबाजों को भी यहां रन बनाने में दिक्कत नहीं होती। पिछले साल इसी मैदान पर इंग्लैंड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 304/2 का स्कोर बनाया था। यह फुल मेंबर टीमों के बीच पहला 300+ टी-20 स्कोर था।

इन रिकॉर्ड्स पर रहेगी नजर

अक्षर पटेल अपना 98वां टी-20 इंटरनेशनल खेल सकते हैं। उन्हें भारत के लिए 100 टी-20 विकेट पूरे करने के लिए सिर्फ 1 विकेट चाहिए। आदिल रशीद के नाम फिलहाल 164 टी-20 विकेट हैं। दो विकेट लेते ही वह इस फॉर्मेट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे।

आर्चर की वापसी, टंग का डेब्यू

इंग्लैंड ने दूसरे टी-20 के लिए अपनी प्लेइंग-11 का ऐलान कर दिया है। तेज गेंदबाज जोफा आर्चर की टीम में वापसी हुई है, जबकि जोश टंग टी-20 डेब्यू करेंगे। दोनों खिलाड़ियों को साकिब महमूद और ल्यूक वुड की जगह मौका मिला है।

इंग्लैंड: फिल सॉल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), हैरी ब्रूक (कप्तान), जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, सैम करन, विल जैक्स, लियम डॉसन, आदिल रशीद, जोफा आर्चर, जोश टंग।

भारत: संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती।

गॉल में गुरनूर बरार का कहर

4 विकेट लेकर टेस्ट टीम के लिए पेश की मजबूत दावेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

गॉल। भारत और श्रीलंका के बीच अगले महीने होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले इंडिया-ए के युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट मैच में बरार ने श्रीलंका-ए की पहली पारी में चार अहम विकेट लेकर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उनके प्रभावशाली स्पेल ने न केवल मैच का रुख बदला, बल्कि चयनकर्ताओं का ध्यान भी अपनी ओर खींच लिया।

चार विकेट लेकर तोड़ी श्रीलंकाई बल्लेबाजी की कमर- दूसरे दिन श्रीलंका-ए ने 288/5 के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआती सत्र में ही मेजबान टीम को 366 रन पर समेट दिया। इस दौरान गुरनूर बरार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 22 ओवर में 77 रन देकर चार विकेट हासिल किए और श्रीलंकाई बल्लेबाजी को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोक दिया।

चयनकर्ताओं के लिए दिया मजबूत संदेश

इंडिया-ए का विदेशी दौरा लंबे समय से उन खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण मंच माना जाता है, जो सीनियर टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हैं। गुरनूर बरार ने श्रीलंका जैसी स्पिन सहायता वाली परिस्थितियों में प्रभावी तेज गेंदबाजी कर यह साबित किया कि वह किसी भी हालात में असर छोड़ने की क्षमता रखते हैं। उनका यह प्रदर्शन आगामी भारत-श्रीलंका टेस्ट सीरीज से पहले काफी अहम माना जा रहा है। गुरनूर बरार को घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था, हालांकि उन्हें पदार्पण का मौका नहीं मिला। इसके बाद वनडे सीरीज में उन्होंने सात विकेट लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। साल 2022 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बरार अब तक 19 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 56 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। गॉल में चार विकेट की ताजा उपलब्धि ने उनके रिकॉर्ड को और मजबूत किया है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

तुलसी फिर लौटेगी रिश्तों को जोड़ने...

10 साल के लीप के साथ नए अंदाज में वापसी, स्मृति ईरानी ने खोले कई राज

मुंबई। भारतीय टेलीविजन के सबसे लोकप्रिय और यादगार धारावाहिकों में शामिल क्योंकि सास भी कभी बहू थी एक बार फिर दर्शकों के बीच नए अंदाज में लौट रहा है। इस बार शो की कहानी 10 साल के बड़े लीप के साथ आगे बढ़ेगी, जहां बदलते रिश्ते, नई पीढ़ी की सोच और परिवार के भीतर पैदा हुई दूरियों को केंद्र में रखा जाएगा। शो की पहचान बन चुकीं स्मृति ईरानी एक बार फिर श्तुलसीश् के रूप में नजर आएंगी। उनकी वापसी को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है और खुद स्मृति भी इस नए अध्याय को लेकर भावुक और उत्साहित हैं।

स्मृति ईरानी का कहना है कि उनके लंबे अभिनय करियर में कई किरदार आए, लेकिन तुलसी जैसा अपनापन उन्हें किसी और भूमिका से नहीं मिला। उन्होंने कहा कि जब लोग बताते हैं कि तुलसी उन्हें अपनी मां, दादी या नानी की याद दिलाती है, तो इससे बड़ा सम्मान किसी कलाकार के लिए नहीं हो सकता। उनके अनुसार, यह सिर्फ एक टीवी किरदार नहीं, बल्कि लाखों भारतीय परिवारों की भावनाओं का हिस्सा बन चुका है। यही वजह है कि वर्षों बाद भी दर्शक तुलसी को उसी प्यार और सम्मान के साथ याद करते हैं। उन्होंने बताया कि शो का नया अध्याय केवल समय का बदलाव नहीं दिखाएगा, बल्कि रिश्तों की बदलती परिभाषा और नई पीढ़ी की चुनौतियों को भी सामने लाएगा। कहानी में परिवार पहले जैसा नहीं रहेगा।

तुलसी से मिला सबसे बड़ा सम्मान

स्मृति का मानना है कि समय चाहे कितना भी बदल जाए, हर परिवार को ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो संवाद, विश्वास और माफी के जरिए रिश्तों को संभाल सके। उन्होंने कहा कि यही सोच हमेशा तुलसी की सबसे बड़ी ताकत रही है। नए सीजन में भी दर्शकों को भावनाओं, पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों की गर्माहट से भरपूर कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई नए मोड़ और चैंकाने वाले घटनाक्रम भी होंगे। स्मृति ईरानी ने कहा कि लोगों का यह कहना कि तुलसी उन्हें अपनी मां, दादी या नानी की याद दिलाती है, उनके लिए किसी भी पुरस्कार से बड़ा सम्मान है।

बीमार पिता, कैंसर से जूझ रहीं दीपिका, मुसीबत के बीच अकेला पड़ा शोएब का 2 साल का बेटा

टेलीविजन एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ पिछले एक साल से भी ज्यादा समय से कैंसर से जूझ रही हैं। हाल ही में वो अपना दूसरा इम्यूनोथेरेपी सेशन करवा चुकी हैं। एक्ट्रेस ने अपने ट्रीटमेंट की अपडेट शेयर की है। ये भी बताया कि उनकी बीमारी का उनके बेटे पर भावनात्मक रूप से बड़ा असर पड़ा है। अपने लेटेस्ट व्लॉग में शोएब इब्राहिम ने दीपिका की सेहत के बारे में बताया कि वो दूसरे इम्यूनोथेरेपी इन्फ्यूजन के लिए जा रहे हैं। शोएब ने कहा कि उन्हें ट्रीटमेंट के दौरान दीपिका को हॉस्पिटल में छोड़कर वापस घर जाना पड़ेगा, ताकि वो अपने बेटे रुहान के साथ रहें। वो कहते हैं कि आज दीपिका का दूसरा इन्फ्यूजन है और हम उसके लिए जा रहे हैं।

शोएब ने कहा कि रुहान आज बहुत चिड़चिड़ा था। पिछले एक महीने में वो ज्यादा समय दीपिका के साथ रहा है। अगर दीपिका का इन्फ्यूजन रात में होता है, तो मैं वापस घर जाकर उसके साथ रहूंगा। दीपिका कहती हैं कि इस एक महीने में रुहान भावनात्मक रूप से काफी नाजुक हो गया है। वो घर को कई दिनों तक खाली देख कर बहुत प्रभावित हुआ, उसे बहुत अकेलापन महसूस हुआ। जब हमने बताया कि हम आज जा रहे हैं, तो वो ठीक नहीं था। सुबह से वो बार-बार नहीं जाने के लिए बोल रहा था, लेकिन हम कोशिश कर रहे हैं कि हम में से कोई एक उसके साथ रहे। कुछ महीने पहले दीपिका ने कहा था कि बीमारी की वजह से वो अपने बेटे को समय नहीं दे पा रही हैं। अप्रैल के एक व्लॉग में दीपिका ने कहा था, मेरे मन में बहुत सी चीजें चल रही हैं। मेरी बीमारी की वजह से शोएब कई चीजों में फंसे हुए हैं। मैं कभी-कभी रुहान को समय नहीं दे पाती, जिन दिनों मेरी थकान ज्यादा रहती है, मैं बस सो लेती हूं, अगर मैं अस्पताल में हूं, तो मैं रुहान के साथ नहीं रह सकती। जब आप बीमार होते हैं, तो चीजें बदल जाती हैं, रूटीन बदलता है, प्राथमिकताएं बदलती हैं, और शरीर को आराम को जरूरत होती है।

मेट्रो बाजार

जून में भारत को सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई करने वाला देश बना अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिका जून में भी भारत को द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की सबसे बड़ी आपूर्ति करने वाला देश बना रहा। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत ऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति पर तेजी से काम कर रहा है, जिसके चलते अमेरिका ने पारंपरिक खाड़ी देशों पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है।

कमोडिटी एनालिटिक्स फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, जून में भारत ने अमेरिका से 7.73 लाख मीट्रिक टन (773.78 टीएमटी) एलपीजी आयात की, जो मई की तुलना में 19.4 प्रतिशत अधिक है। वहीं, जून के दौरान भारत का कुल एलपीजी आयात 3 प्रतिशत बढ़कर 11.91 लाख मीट्रिक टन (1,191 टीएमटी) हो गया, जबकि मई में यह 11.55 लाख मीट्रिक टन (1,155 टीएमटी) था। जून में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भारत का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता रहा, जहां से आयात 16.6 प्रतिशत बढ़कर 1.57 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया, जो मई में 1.34 लाख मीट्रिक टन था। वहीं, सऊदी अरब और कुवैत ने जून में भारत को 64-64 हजार मीट्रिक टन एलपीजी की आपूर्ति की। अमेरिका से एलपीजी आयात में लगातार बढ़ोतरी भारत की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के बाद ऊर्जा आपूर्ति के स्रोतों को विविध बनाया जा रहा है। इसी दिशा में सरकारी तेल रिफाइनरियों ने 2026 से अमेरिका से 22 लाख टन एलपीजी आयात करने के लिए दीर्घकालिक समझौता भी किया है, जिससे भारत-अमेरिका ऊर्जा सहयोग और मजबूत होगा तथा खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

स्वच्छ ऊर्जा में भारत की बड़ी छलांग, 2032 तक 100 गीगावाट पहुंचेगी रिन्यूएबल क्षमता

नई दिल्ली। भारत का कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर आने वाले वर्षों में तेज़ी से विस्तार करने जा रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में 32 गीगावाट की मौजूदा क्षमता बढ़कर 2032 तक 100 गीगावाट तक पहुंच सकती है। इसी अवधि में ऊर्जा भंडारण प्रणाली की स्थापित क्षमता भी दस गुना से अधिक बढ़कर 31 गीगावाट-घंटा होने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग और राज्यों की नई नीतियां इस बदलाव की प्रमुख वजह बनेंगी। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस और कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस की रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों के डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों, बढ़ते ग्रिड टैरिफ और ऊर्जा सुरक्षा की जरूरत ने रिन्यूएबल एनर्जी तथा स्टोरेज सिस्टम की मांग को तेज कर दिया है। राज्यों द्वारा लागू की जा रही नई नियामकीय नीतियां भी स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की रफ्तार बढ़ा रही हैं। यह रिपोर्ट 8 से 10 जुलाई तक नई दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित होने वाले इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक 2026 के दौरान प्रस्तुत की जाएगी। इस आयोजन में 200 से अधिक प्रदर्शक और 10 हजार से ज्यादा उद्योग विशेषज्ञ शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छ ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, नई तकनीकों और नीति सुधारों पर विस्तृत चर्चा होगी। रिपोर्ट में महाराष्ट्र की नई रिन्यूएबल एनर्जी एवं स्टोरेज नीति का विशेष उल्लेख किया गया है। इसके तहत 100 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले प्रत्येक नए रिन्यूएबल प्रोजेक्ट में स्टोरेज सुविधा अनिवार्य की गई है। साथ ही बिजली वितरण कंपनियों को वर्ष 2035-36 तक अपनी कुल बिजली का 10 प्रतिशत हिस्सा स्टोरेज सिस्टम से प्राप्त करना होगा। गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान भी बैंकिंग, सेटलमेंट नीति और ट्रांसमिशन शुल्क में रियायत जैसे कदमों के जरिए इस क्षेत्र को बढ़ावा दे रहे हैं।

अयातुल्लाह अली खामेनेई के जनाजे की प्रक्रिया शुरू, 5 शहरों से गुजरेगी अंतिम यात्रा

तेहरान. एजेंसी। अयातुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम यात्रा की प्रक्रिया आज से फिर शुरू हो गई। अमेरिका-इस्राइल के हमले में 28 फरवरी को उनकी मृत्यु हुई थी। अब युद्धविराम की घोषणा के बाद, उन्हें नम आंखों से विदाई दी जा रही। खामेनेई के जानजे में कई देशों के प्रमुख और प्रतिनिधि भी शामिल हो रहे हैं। अंतिम यात्रा दो देशों और पांच शहरों से होकर गुजरेगी। इस प्रक्रिया में सात दिन लगेंगे।

अंतिम यात्रा का कार्यक्रम

1. **तेहरान:** खामेनेई के अंतिम संस्कार की शुरुआत 3 जुलाई को ईरान की राजधानी तेहरान से हुई। खामेनेई, उनकी पत्नी, बेटी, दामाद और 14 महीने की पोती के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए तेहरान की ग्रैंड मोसाला मस्जिद में रखा गया है। आम जनता के साथ-साथ 100 से अधिक देशों के विदेशी गणमान्य व्यक्ति और प्रतिनिधि श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। खामेनेई के पार्थिव शरीर को यहां तीन दिनों तक रखा जाएगा।

2. **कोम:** चौथे दिन, खामेनेई के पार्थिव शरीर को तेहरान से कोम ले जाया जाएगा। यह 7 जुलाई को कोम पहुंचेगा। कोम शिया इस्लाम का एक प्रमुख केंद्र है। उनके अंतिम प्रस्थान को चिह्नित करने के लिए वहां कई धार्मिक कार्य किए जाएंगे।

3. **नजफ:** कोम के बाद, खामेनेई के पार्थिव शरीर को इराक ले जाया जाएगा। 8 जुलाई को, खामेनेई के ताबूत को इराक के पवित्र शहर नजफ ले जाया जाएगा। नजफ शिया समुदाय के सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। इमाम अली की दरगाह पर एक सार्वजनिक अंतिम यात्रा निकाली जाएगी।

4. **कर्बला:** नजफ के बाद, खामेनेई के पार्थिव शरीर को इराक के पवित्र शहर कर्बला ले जाया जाएगा, जहां इमाम हुसैन और उनके भाई अब्बास की पवित्र दरगाहों पर अंतिम यात्रा निकाली जाएगी।

5. **मशहद:** 9 जुलाई को, सभी धार्मिक समारोहों को पूरा करने के बाद, खामेनेई के पार्थिव शरीर को पूर्वोत्तर ईरानी शहर मशहद वापस लाया जाएगा। मशहद खामेनेई का गृह जिला है। उन्हें 9 जुलाई को मशहद में ऐतिहासिक और पवित्र इमाम रजा श्राइन परिसर में दफनाया जाएगा।

लालू प्रसाद और राबड़ी देवी को फिर मिलेगी जेड श्रेणी की सुरक्षा

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और राबड़ी देवी को जेड श्रेणी की सुरक्षा वापस दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार ने समीक्षा के बाद दोनों नेताओं को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने का निर्णय लिया है।

हालांकि गृह विभाग के स्तर से शुक्रवार की रात तक इसकी अधिसूचना जारी नहीं हुई है। राजद नेताओं ने भी मीडिया से ही सुरक्षा बढ़ाए जाने की जानकारी मिलने की बात कही है। आधिकारिक पत्र अभी नहीं मिला है। गृह विभाग ने एक माह पूर्व चार जून को लालू-राबड़ी की सुरक्षा में कटौती करते हुए जेड प्लस सुरक्षा वापस ले ली थी। हालांकि हाउस गार्ड से लेकर निजी सुरक्षा में बी-सैप जवानों की प्रतिनयुक्ति की गई थी। बुलेटप्रूफ कार भी दी गई थी। मगर जेड प्लस सुरक्षा हटाए जाने से नाराज होकर लालू परिवार ने सुरक्षा वापस कर दी थी। इसपर खूब राजनीति भी हुई।

सिया गोयल की 'सीक्रेट चैट्स' डिकोड करेगी पुलिस

केतन हत्याकांड : कोड वर्ड्स, निकनेम और इमोजी के जरिए रची गई साजिश

पुणे, एजेंसी

महाराष्ट्र के पुणे में रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की लोहगढ़ किले से धक्का देकर हत्या के मामले में पुलिस अब मुख्य आरोपी सिया गोयल की मोबाइल चैट्स को डिकोड करने में जुटी है। इन चैट्स में कोड वर्ड्स, निकनेम और इमोजी का इस्तेमाल किया गया है, जिनका मतलब केवल सिया ही बता सकती है। पुलिस ने अदालत को बताया कि सिया और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी के फोन से बरामद डिजिटल डेटा में गोपनीय भाषा, छिपे नाम और इमोजी का इस्तेमाल है। सहायक लोक अभियोजक राजश्री विरकुड ने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट मिल चुकी है। ये चैट्स केवल आरोपी ही समझा सकती हैं।

कोर्ट का फैसला

पुलिस ने सिया और चेतन की रिमांड बढ़ाने की मांग की थी ताकि दोनों को आमने-सामने बिठाकर चैट्स का संदर्भ समझा जा सके, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है (16 जुलाई तक)।

सिया का दूसरा मोबाइल फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया

18 जून को केतन अग्रवाल और सिया गोयल लोहगढ़ किले गए थे। पुलिस के अनुसार, सिया और चेतन ने मिलकर केतन को किले से नीचे धक्का दे दिया। दोनों की सगाई हो चुकी थी और नवंबर में शादी तय थी। पुलिस ने सिया द्वारा केतन का पासपोर्ट फेंकने वाली जगह पर पंचनामा किया। हत्या की रिहर्सल वाली जगह का भी पंचनामा किया। सिया का दूसरा मोबाइल फोन बरामद कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा। पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने कहा कि अपराध स्थल के आसपास कई गवाह सामने आए हैं। उनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। आरोपियों के बीच वित्तीय लेन-देन की भी जांच हो रही है। केतन द्वारा सिया को दिए गए पैसे के लेन-देन का विवरण उचित समय पर खुलासा किया जाएगा।

आगरा : 45 दिन बाद हुआ खुलासा

पति की हत्या करके बाथरूम में दफनाया, फर्श बनवाई और उसी पर नहाती थी रूबी

आगरा, एजेंसी

आगरा में महिला ने पति की हत्या कर शव को घर के बाथरूम में दफना दिया। ऊपर से फर्श बनवा दी और उसी बाथरूम में रोजाना नहाती रही। 45 दिनों तक पुलिस और घरवालों को गुमराह किया। जांच के दौरान महिला पुलिस के साथ सीसीटीवी फुटेज देखती रही और रोने का नाटक करती रही। महिला के जेठ को उसके व्यवहार से शक हो गया। उसने महिला से कहा कि अगर कोई परेशानी हो तो वह साथ देगा। इसके बाद महिला ने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बाथरूम का फर्श तोड़ा, जहां से केवल कंकाल बरामद हुआ।

महिला ने पुलिस को बताया कि पति शराब पीकर मारपीट करता था। इसलिए उसने खीर में 18 से ज्यादा नींद की गोलियां मिलाकर पति को खिलाईं, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसने जेठ को फोन कर राजस्थान से बुलाया और दोनों बच्चों और सास को घर से भेज दिया। फिर शव को कमरे से खींचकर बाथरूम में ले जाकर गड्ढा खोदकर दफना दिया। इसके बाद जेठ को बताया कि पति उससे झगड़ा कर 5 हजार रुपए लेकर चला गया है। फिर वह खुद भी राजस्थान चली गई। आठ दिन बाद लौटकर उसने मजदूर बुलवाए और बाथरूम का फर्श बनवा दिया।

मृतक सुरेंद्र

2010 में हुई थी शादी

राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले सुरेंद्र कुमार शर्मा (44) सिकंदरा के दहतोरा स्थित रेणुका धाम कॉलोनी में रहते थे। उनकी शादी साल 2010 में रूबी से हुई थी। रूबी इटावा की रहने वाली है। उनकी दो बेटियां रिद्धी (13) और सिद्धी (9) हैं। सुरेंद्र के साथ उनकी मां कमला भी रहती थीं। उन्हें आंखों से कम दिखाई देता है। उनके पिता राधेश्याम शर्मा शिक्षक थे।

बांग्लादेश में तीस्ता रिवर प्रोजेक्ट में चीन की एंट्री, भारत बोला- हमारी सब पर नजर

नई दिल्ली. एजेंसी। भारत ने कहा है कि बांग्लादेश में प्रोजेक्ट्स के लिए उसकी डेवलपमेंट से जुड़ी मदद एक आपसी सहमति वाले रोडमैप पर आधारित है और नई दिल्ली तीस्ता नदी से जुड़े प्रोजेक्ट के लिए अपनी पूरी रणनीति में सभी संबंधित घटनाक्रमों को ध्यान में रखेगी।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल की ये टिप्पणियां तीस्ता मुद्दे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में आईं। यह सवाल ढाका और बीजिंग के बीच तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और बहाली परियोजना पर हुई बातचीत के संदर्भ में पूछा गया था। तीस्ता नदी के प्रबंधन में चीन की भागीदारी अपनी रणनीतिक अहमियत के कारण नई दिल्ली और ढाका के रिश्तों को मुश्किल में डाल सकती है। जब पूछा गया कि भारत इस पर क्या सोचता है तो जयसवाल ने कहा, बांग्लादेश में प्रोजेक्ट्स के लिए भारत की डेवलपमेंट से जुड़ी मदद आपसी सहमति वाले रोडमैप पर आधारित है, जिसकी समय-समय पर समीक्षा की जाती है। तीस्ता नदी प्रोजेक्ट पर हमारी राय बांग्लादेशी पक्ष को पहले ही बताई जा चुकी है। हम तीस्ता मुद्दे पर अपनी पूरी रणनीति में इससे जुड़ी सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

स्पेन में पकड़ाया कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों

मैड्रिड। पंजाब एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के इनपुट पर गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों स्पेन में पकड़ा गया। स्पेन की सुरक्षा एजेंसियों ने उसे को हिरासत में लिया। बता दें कि गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों बीते 13 जून को चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित कुमार मेडिकल हॉल के कैशियर जानकी दास की गोली मारकर हत्या करवाने का आरोपी है। गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों पहले लॉरेंस बिश्नोई के साथ जुड़ा था। कनाडा में हुई फायरिंग की कई घटनाओं में गोल्डी ढिल्लों का हाथ था। पंजाब में भी संगठित अपराध की कई घटनाओं में गोल्डी ढिल्लों आरोपी है।

जोसेफ विजय पर पर्सनल कमेंट पड़ा भारी डीएमके विधायक राधाकृष्णन गिरफ्तार

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के खिलाफ अपमानजनक और अभद्र टिप्पणी करने वाले डीएमके विधायक अनीता राधाकृष्णन को गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले मद्रास हाई कोर्ट ने राधाकृष्णन को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था।

पुलिस ने तिरुचेंदूर के विधायक को हिरासत में लिया और पूछताछ से पहले उनका मेडिकल टेस्ट कराया गया। अभी यह साफ नहीं है कि उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा या स्थानीय अदालत से जमानत पर रिहा कर दिया जाएगा। यह मामला 20 जून को दिए गए एक विवादित भाषण से जुड़ा है, जिसमें राधाकृष्णन ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। इन टिप्पणियों में अभिनेता तृषा द्वारा शेयर की गई एक जन्मदिन की तस्वीर का जिक्र भी शामिल था, जिसमें विजय भी थे। पुलिस ने 23 जून को भारतीय न्याय संहिता की धारा तहत मुकदमा दर्ज किया था। ये धाराएं जानबूझकर अपमान करने और दुश्मनी को बढ़ावा देने से जुड़ी हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दो समन मिलने के बावजूद राधाकृष्णन जांच अधिकारियों के सामने पेश नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए मद्रास हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उनकी याचिका खारिज कर दी गई।

तमिलनाडु के मंत्री रमेश की जनता से अपील, मंदिरों में गड़बड़ियों की दें सूचना

चेन्नई. एजेंसी। तमिलनाडु के मंत्री एस. रमेश ने शुक्रवार को जनता से अपील की कि वे विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण वाले मंदिरों में अनियमितताओं, नौकरी के बदले पैसे लेने और अन्य गलत कामों की रिपोर्ट करें। मंत्री ने हाल ही में तिरुचेंदूर के एक मंदिर में निरीक्षण के दौरान भक्तों को जल्दी दर्शन कराने के लिए मंदिर के कर्मचारियों से जुड़े अवैध लेन-देन को उजागर किया था। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अपनी शिकायतें सबूत के साथ भेजें। रमेश ने कहा, मैं आपको बताना चाहता हूं कि मेरा कार्यालय और मैं इन शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करेंगे। उनकी यह अपील मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के साफ-सुथरा और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन देने के आश्वासन के बाद आई है। सत्ताधारी टीवीके ने पिछली सरकार द्वारा मंजूर किए गए 46 मंदिर परियोजनाओं के लिए प्रशासनिक मंजूरी रद कर दी थी। पार्टी का कहना था कि मंदिर के फंड का इस्तेमाल कमर्शियल प्रोजेक्ट्स के लिए नहीं किया जाना चाहिए। राज्य सरकार ने कुन्नूर में मंदिर के फंड से बनने वाले मल्टी-लेवल कार पार्किंग प्रोजेक्ट को भी रद कर दिया, जिसे पिछली सरकार ने प्रस्तावित किया था। तमिलनाडु पुलिस ने बताया कि उथंगराई विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक एन. एलैयाराजा को रिश्वत देने की कोशिश के आरोप में पांच और लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दोपहर मेट्रो

2016 में विलुप्त हुए बाघों के पुनर्वास के लिए भारत-कंबोडिया में सहमति

कंबोडिया के जंगलों में गूंजेगी भारतीय बाघों की दहाड़

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत जल्द ही कंबोडिया के जंगलों में फिर से बाघों की मौजूदगी सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा। दोनों देशों के बीच हुए समझौते के तहत भारत कंबोडिया को छह बंगाल टाइगर उपलब्ध कराएगा। ये बाघ तभी भेजे जाएंगे, जब वहां उनके लिए सुरक्षित आवास, पर्याप्त शिकार और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो जाएगी। 2016 में कंबोडिया से बाघ पूरी तरह विलुप्त हो गए थे। यह दुनिया में एक देश से दूसरे देश में बाघों के पुनर्वास का दूसरा उदाहरण होगा। इस योजना की निगरानी इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) कर रहे हैं। भारत इससे पहले पन्ना और सरिस्का सहित कई अभयारण्यों में बाघों के सफल पुनर्वास का उदाहरण पेश कर चुका है। वर्तमान में देश के 58 टाइगर रिजर्व में 3,682 बाघ हैं और दुनिया के 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ भारत में पाए जाते हैं।

भारत बना वैश्विक 'बिग कैट' संरक्षण का अगुवा

भारत ने वैश्विक स्तर पर बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस की स्थापना की है, जिससे अब तक 27 देश जुड़ चुके हैं। दुनिया के 95 देशों में बिग कैट की सात प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से पांच—बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ और चीता—भारत में मौजूद हैं। कंबोडिया को बाघ उपलब्ध कराने की पहल इसी वैश्विक संरक्षण अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जा रही है।

दुनिया के 10 देशों में ही बचे हैं जंगली बाघ

टाइगर रेंज वाले 13 देशों में से फिलहाल केवल 10 देशों के जंगलों में बाघ मौजूद हैं। इनमें भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, रूस, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया और म्यांमार प्रमुख हैं। दुनिया के 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ अकेले भारत में हैं। कजाकिस्तान ने 2024 में नीदरलैंड के शेल्टर से दो बाघ लाकर पुनर्वास की शुरुआत की थी। अब कंबोडिया भारत की मदद से अपने जंगलों में बाघों की वापसी की तैयारी कर रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564